E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -12 अंक - 90 | प्रयागराज, शनिवार 13 जून, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प का दावा- ईरान के सुप्रीम लीडर को डील मंजूर,नए हमले रद्द, ईरान ने खारिज किया, बोला- मनगढंत

तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान

के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने नई डील पर मंजूरी दे दी है। व्हाइट हाउस में एक रिपोर्टर से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा, 'नई डील के मुताबिक ईरान ने मंजूर किया है कि वह कभी भी परमाणु हथियार नहीं रखेगा और डील होते ही होर्मुज स्ट्रेट को भी खोल दिया जाएगा।' हालांकि ईरान की सरकारी मीडिया ईराना के मुताबकि, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि समझौता साइन होने की खबरें सिर्फ अटकलें हैं और अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। इससे पहले, ट्रम्प ने ईरान पर शुक्रवार को भीषण बमबारी करने और उसके तेल निर्यात के मुख्य केंद्र खार्ग द्वीप पर कब्जा करने की धमकी दी थी। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ नए हवाई हमले और बमबारी रद्द कर दी हैं। उन्होंने फैसला बदलने की वजह ईरानी नेतृत्व से बातचीत को सबसे ऊंचे स्तर पर पहुचंना बताया। हालांकि, ट्रम्प ने यह भी साफ किया कि जब तक समझौता पूरी तरह तय नहीं हो जाता, तब तक होर्मुज स्ट्रेट पर अमेरिकी नाकेबंदी लागू रहेगी। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-भारत ने अमेरिकी हमलों पर कड़ा विरोध दर्ज कराया: भारतीय क्रू वाले जहाज एमटी जलवीर पर हमले के बाद भारत ने अमेरिकी राजदूत को तलब किया और जहाजों पर हमले तुरंत रोकने की मांग की। हमलों में 3 भारतीय नाविकों की मौत: ओमान के पास जहाजों पर हमलों में भारतीय नाविक प्रभावित हुए। एमटी सेत्तेबेल्लो हमले में 3 भारतीयों की मौत की पुष्टि हुई, जबकि एमटी जलवीर पर मौजूद सभी 20 भारतीय सुरक्षित बताए गए हैं। होर्मुज स्ट्रेट को लेकर तनाव बरकरार: ईरान ने चेतावनी दी कि उसके तेल-गैस ठिकानों पर हमला हुआ तो किसी को भी तेल नहीं मिलेगा। दूसरी ओर अमेरिका ने दावा किया है कि होर्मुज स्ट्रेट अभी भी जहाजों के लिए खुला है। अमेरिका-ईरान के बीच बैकचैनल बातचीत तेज: रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों देश ईरान के 6 से 12 अरब डॉलर के फंसे हुए फंड जारी करने के मुद्दे पर बातचीत कर रहे हैं। रूस, चीन और कतर सक्रिय हुएबढ़ते तनाव के बीच रूस और चीन ने अमेरिका-ईरान से सैन्य कार्रवाई रोककर बातचीत का रास्ता अपनाने की अपील की, जबकि कतर ने भी तनाव कम कराने के लिए अपना प्रतिनिधिमंडल तेहरान भेजा।

नेपाल बोला- भारत से सीमा विवाद में किसी तीसरे की जगह नहीं

काठमांडू। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने कहा कि दोनों देशों की तकनीकी टीमें सीमा निर्धारण, सीमा स्तंभों के

भारत-नेपाल सीमा का मुद्दा पूरी तरह द्विपक्षीय है और इसका समाधान दोनों देश आपसी बातचीत से ही करेंगे। इसमें किसी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं है। हाल ही में नेपाली पीएम बलेन शाह ने हाल ही में कहा था कि सीमा विवाद से जुड़े मुद्दे में ब्रिटेन की भूमिका हो सकती है। विदेश मंत्री खनाल ने इस पर सफाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का मकसद किसी तीसरे देश की मध्यस्थता मांगना नहीं था। खनाल ने बताया रखरखाव और नो-मैन्स लैंड पर अतिक्रमण से जुड़े मामलों की संयुक्त जांच कर रही हैं।इससे पहले भारत ने भी साफ कहा था कि सीमा से जुड़े सभी मुद्दों के लिए दोनों देशों के बीच पहले से तंत्र मौजूद हैं और इसमें किसी तीसरे पक्ष की जरूरत नहीं है। भारत के विदेश मंत्रालय ने बताया था कि करीब 98फीसदी भारत-नेपाल सीमा का निर्धारण हो चुका है, जबकि कुछ हिस्सों पर काम जारी है।

ममता की हार के 14 दिन बाद ही टीएमसी टूटी, बागियों का 18 मई को स्पीकर को भेजा लेटर सामने आया जिसमे 19 सांसदों के दस्तखत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस यानी टीएमसी में फूट ममता की हार के 14 दिन बाद ही शुरू हो गई थी। बंगाल विधानसभा चुनाव का रिजल्ट 4 मई को आया था। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक 18 मई को 19 सांसदों ने बगावत करते हुए लोकसभा स्पीकर को लेटर लिखा था। बागी सांसदों ने अलग गुट बनाने की मांग की है। स्पीकर को भेजी गई चिट्ठी में जिन 19 सांसदों ने साइन किए थे, वह लेटर अब सामने आया है। इनमें यूसुफ पठान, सायोनी घोष, काकोली घोष दस्तीदार और शताब्दी रॉय जैसे बड़े नाम शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, कुल 20 सांसदों ने बगावत की है। एक नाम जो बचा है, वो बड़ा नेता है। जल्द ही उनका नाम भी सामने आ जाएगा। टीएमसी के लोकसभा में कुल 28 सांसद हैं। दावा किया जा रहा है कि 20 सांसद ममता से अलग हो गए हैं। टीएमसी के लोकसभा सांसदों के अलावा राज्यसभा सांसद भी टूट रहे हैं। पिछले 4 दिनों में चार राज्यसभा सांसद इस्तीफा दे चुके हैं। 8 जून को सुखेंदु शेखर ने सदस्यता के साथ पार्टी छोड़ी। फिर 10 जून को सुष्मिता देव अलग हो गईं। 11 जून को प्रकाश चिक और कोयल मलिक ने इस्तीफा दे दिया। 8 जून को टीएमसी के लोकसभा के 28 सांसदों में से 20 ने एनडीए सरकार

को समर्थन देने का फैसला किया था। सांसद और टीएमसी की पूर्व नेता काकोली घोष दस्तीदार ने कहा था कि सांसदों के साइन वाला पत्र लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को भेज दिया है। इसमें अलग संसदीय ब्लॉक के रूप में अलग बैठने की व्यवस्था की मांग भी की गई। ममता के पास अब सिर्फ 22 विधायक और 18 सांसद बचे-टीएमसी के पास कुल 28 लोकसभा सांसद थे, जिसमें से 20 अलग हो गए हैं। अब लोकसभा में ममता के पास सिर्फ 8 सांसद बचे हैं। राज्यसभा की बात करें तो 13 में से 4 सांसद इस्तीफा दे चुके हैं यानी सिर्फ 9 राज्यसभा सांसद बचे हैं। विधानसभा की बात करें तो टीएमसी ने इस बार के चुनाव में 80 सीटें जीती थीं। जिसमें से 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं। ममता के पास सिर्फ 22 विधायक बचे हैं। टीएमसी में फूट के बाद आगे क्या हो सकता है 9 संभावनाएं-कानूनी लड़ाई तेज होगी: ममता गुट और बागी गुट विधानसभा, चुनाव आयोग और अदालतों में अपनी-अपनी वैधता साबित करने की कोशिश करेंगे। दल-बदल कानून की परीक्षा: बागी विधायकों के पास दो-तिहाई संख्या होने का दावा है, इसलिए उनकी मान्यता पर बड़ा कानूनी विवाद हो सकता है। संगठन में और टूट-फूट संभव: कुछ विधायक, सांसद और जिला स्तर के नेता भी पक्ष चुन सकते हैं, जिससे दोनों गुटों की ताकत बदल सकती है। ममता बनर्जी डैमेज कंट्रोल करेंगी: असंतुष्ट नेताओं को मनाने, संगठन में बदलाव और नए चेहरों को आगे लाने की कोशिश हो सकती है। भाजपा और कांग्रेस नजर बनाए रखेंगी: विपक्षी दल टीएमसी के संकट का राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर सकते हैं। स्थानीय निकाय और उपचुनावों पर असर: अगर फूट गहरी हुई तो आने वाले चुनावों में टीएमसी के वोट बैंक और संगठन पर असर पड़ सकता है।

केंद्र सरकार, असम व नागालैंड के बीच समझौता, अगले साल एक-दो राज्यों को छोड़ पूरे पूर्वोत्तर से हटेगा अफस्पा

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को पूर्वोत्तर

भारत को लेकर दो बड़े ऐलान किए। उन्होंने कहा कि 2027 तक एक-दो राज्यों को छोड़कर पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र से सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफस्पा) हटा लिया जाएगा। शाह ने कहा कि अफस्पा के दायरे में लगातार हो रही कमी इस बात का संकेत है कि क्षेत्र में शांति लौट रही है। इसके अलावा केंद्र सरकार, असम और नागालैंड के बीच सीमा विवाद वाले इलाके में लंबे समय से बंद पड़े तेल और गैस उत्पादन को फिर से शुरू करने पर सहमति बनी है। अमित शाह ने कहा कि इस समझौते से तेल उत्पादन क्षमता मौजूदा 1,000-1,500 बैरल प्रतिदिन से बढ़कर करीब 10 गुना हो सकती है। उन्होंने बताया कि एक तेल क्षेत्र से 15,000 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य का तेल और गैस मिलने का अनुमान है।पश्चिम बंगाल पुलिस ने शुक्रवार को हुगली जिले के तारकेश्वर में टीएमसी के पूर्व विधायक रामेंदु सिंह रॉय के घर के पास स्थित एक कॉलेज परिसर में छापा मारा। यहां से पुलिस ने भारी मात्रा में सरकारी राहत सामग्री बरामद की। इसे मुख्य रूप से पूर्वोत्तर भारत (जैसे असम, नागालैंड, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों) और जम्मू-कश्मीर के अशांत क्षेत्रों में लागू किया जाता है। सशस्त्र बलों को प्राप्त विशेष अधिकारइस कानून के तहत सुरक्षा बलों को निम्नलिखित असाधारण अधिकार प्राप्त होते हैं:बिना वॉरंट गिरफ्तारी: किसी भी व्यक्ति को संज्ञेय अपराध करने या उसका संदेह होने पर बिना वॉरंट गिरफ्तार किया जा सकता है। तलाशी और जब्ती: सुरक्षा बल बिना किसी वॉरंट के किसी भी परिसर में प्रवेश कर सकते हैं और तलाशी ले सकते हैं।गोली चलाने की शक्ति: सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए कानून तोड़ने वालों या चेतावनी का उल्लंघन करने वालों पर बल प्रयोग किया जा सकता है, यहाँ तक कि गंभीर परिस्थितियों में जानलेवा गोली भी चलाई जा सकती है।

जयशंकर बोले- अमेरिका ने खुद रूसी तेल खरीदने को कहा, और फिर बाद में टैरिफ लगा दिया

नयी दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रूस से तेल खरीदने के फैसले का बचाव

करते हुए कहा है कि 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद अमेरिका ने खुद भारत से रूसी तेल खरीदने की अपील की थी ताकि वैश्विक तेल बाजार स्थिर रहे और कीमतों में बेतहाशा उछाल न आए। फिनलैंड में एक कार्यक्रम के दौरान जयशंकर ने कहा कि रूस पर बैन लगाए जाने के बाद यूरोपीय देशों ने रूसी तेल से दूरी बना ली और पश्चिम एशिया से बड़ी मात्रा में तेल खरीदना शुरू कर दिया। पश्चिम एशिया लंबे समय से भारत के लिए तेल का प्रमुख स्रोत रहा है। ऐसे में बाजार की स्थिति बदल गई। जयशंकर ने कहा, 'उस समय अमेरिका ने खास तौर पर भारत से कहा था कि वह रूसी तेल खरीदे ताकि तेल बाजार स्थिर रह सके।' उन्होंने कहा कि भारत ने हालात को देखते हुए व्यावहारिक फैसला लिया और सस्ता तेल खरीदा। जयशंकर ने पश्चिमी देशों के रवैये पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पहले अमेरिका ने भारत से बाजार को स्थिर करने में मदद मांगी, बाद में टैरिफ लगाए और फिर उन्हें वापस भी ले लिया। इससे पता चलता है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में फैसले हमेशा आदर्शों, नैतिकता या सिद्धांतों के आधार पर फैसले नहीं लिए जाते हैं।

2 उइगर मुस्लिम थाईलैंड के ब्रह्मा मंदिर में बम ब्लास्ट के दोषी करार, कोर्ट ने सुनाई फांसी की सजा

बैंकॉक। थाईलैंड की एक अदालत ने 2015 में बैंकॉक के

एरावन मंदिर बम धमाके के मामले में दो उइगर मुस्लिमों आरोपियों को मौत की सजा सुनाई है। इस धमाके में 20 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें एक सिंगापुर का नागरिक भी शामिल था, जबकि 120 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। एरावन मंदिर बैंकॉक का एक प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है। यह हिंदू देवता ब्रह्मा को समर्पित है। यहां चार मुख वाले ब्रह्मा की प्रतिमा स्थापित है, जिसे थाई भाषा में फ्रा फ्रोम कहा जाता है। हर दिन हजारों स्थानीय लोग और विदेशी पर्यटक यहां पूजा करने और मनोकामना मांगने आते हैं। अदालत ने दोनों आरोपियों को पहले से योजना बनाकर हत्या करने समेत कई गंभीर अपराधों का दोषी माना और उन्हें फांसी की सजा सुनाई।

दोनों आरोपियों ने आरोपों से इनकार किया है और कहा है कि वे इस फैसले के खिलाफ अपील करेंगे।

किसी संगठन ने इस धमाके की जिम्मेदारी नहीं ली थी।

हालांकि सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह हमला थाईलैंड की तरफ से 100 से ज्यादा उइगर लोगों को चीन वापस भेजे जाने के विरोध में किया गया था।

असम में 4.7 तीव्रता का भूकंप, पूर्वोत्तर के कई हिस्सों में महसूस हुए झटके

कछार। असम के कछार जिले में गुरुवार रात 4.7 तीव्रता

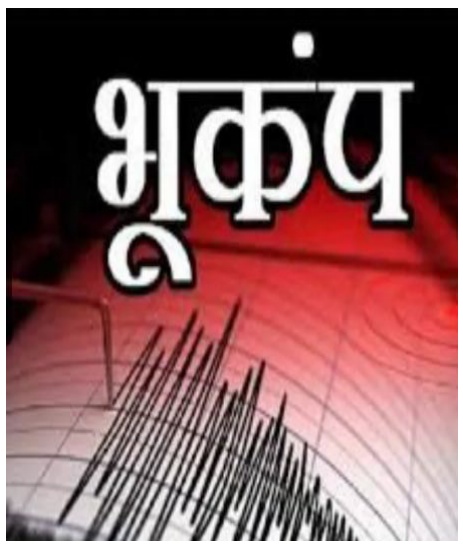

का भूकंप आया। इसके झटके मेघालय सहित पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों में महसूस किए गए। हालांकि, इससे किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप रात 9:10 बजे आया। इसका केंद्र असम के कछार जिले में स्थित था। भूकंप की गहराई जमीन से 39 किलोमीटर नीचे थी। इसका केंद्र 24.941 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 93.007 डिग्री पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया।

अखिलेश की बेटी पर आपत्तिजनक पोस्ट, 4 पर एफआईआर

राजभर बोले- अदिति मेरी भी बेटी, लेकिन अखिलेश अपनी गिरेबान में झांके

कानपुर। अखिलेश यादव की बड़ी बेटी अदिति यादव (23) को लेकर सोशल मीडिया पर

आपत्तिजनक पोस्ट करने के मामले में गुरुवार को कानपुर-प्रतापगढ़ में एफआईआर दर्ज हुई। कानपुर में भारत पटेल, नागेश्वर सिंह बघेल और विनोद यादव और प्रतापगढ़ में शीतला सुजान कवि नाम की आईडी पर मुकदमा दर्ज हुआ है। आरोप है कि इन लोगों ने सोशल मीडिया पर अदिति के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट की। इससे समाज में अखिलेश यादव और उनके परिवार की छवि धूमिल हुई। इसलिए इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने गुरुवार को एक्स पर लिखा-'अदिति मेरी भी बेटी है। आप पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी से हम शर्मिंदा हैं। जिसने भी ऐसी हरकत की, वह शर्मनाक है। लेकिन अखिलेश अपनी गिरेबान में झांके। मेरे और मेरे परिजनों के बारे में क्या-क्या लिखवाते रहते हैं। गारंटी से कह सकता हूं कि यह घटिया हरकत करने वालों में कोई सपाई ही होगा।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

आम ग्राहक एक दिन में अधिकतम 200 लीटर ही डीजल खरीद पाएंगे

कॉमर्शियल यूजर रिटेल पेट्रोल पंप से ईंधन नहीं खरीद पाएंगे, इनके लिए डीजल करीब रु40 महंगा

नयी दिल्ली। आम ग्राहक एक दिन में अधिकतम 200 लीटर ही डीजल खरीद पाएंगे। इस डीजल को दोबारा बेचने पर पूरी तरह रोक

रहेगी। इसके अलावा अब फैक्ट्रियों और कॉमर्शियल यूजर्स को रिटेल आउटलेट से ईंधन नहीं मिलेगा। केंद्र सरकार ने 11 जून 2026 को इसे लेकर आदेश जारी किया है। अब इन बड़े उपभोक्ताओं को केवल बल्क सेल पॉइंट्स से ही ईंधन खरीदना होगा। सरकार ने यह कदम देश के कुछ हिस्सों में रिटेल पंपों पर अचानक बढ़ी असामान्य बिक्री को देखते हुए उठाया है। यह पाबंदी शुरुआती तौर पर 90 दिनों के लिए लागू की गई है। सरकार का कहना है कि इस फैसले से आम उपभोक्ताओं के लिए ईंधन की किल्लत नहीं होगी। पेट्रोलियम मंत्रालय ने 'मोटर स्पिरिट एंड हाई स्पीड डीजल (टेंपररी रेगुलेशन ऑफ सप्लाई थ्रू रिटेल आउटलेट्स) ऑर्डर, 2026' जारी किया है।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

एमपी-हादसे में रक्षा मंत्री राजनाथ के रिश्तेदार की मौत,शव को दिल्ली एयरलिफ्ट किया

इंदौर। इंदौर में सड़क हादसे में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के रिश्तेदार की मौत हो गई। एक्सीडेंट

शिप्रा थाना इलाके में गुरुवार रात करीब 11 बजे हुआ। शुक्रवार सुबह शव को एयरलिफ्ट कर दिल्ली भेज दिया गया है। अंतिम संस्कार उत्तर प्रदेश के वाराणसी में होगा। मृतक की पहचान प्रभात सिंह (29) के रूप में हुई है। वे उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में रेवती, गाय घाट के रहने वाले थे। प्रभात सिंह के पिता स्वर्गीय प्रदीप सिंह की भानजी की शादी राजनाथ सिंह के बेटे नीरज सिंह के साथ हुई है। प्रभात सिंह जिनकी इस हादसे में मौत हुई है, वो नीरज सिंह के मामा ससुर के बेटे हैं। 11 माह की बेटी है। दिल्ली में रहकर ठेकेदारी का काम करते थे। पुलिस के मुताबिक, प्रभात तीन परिचितों के साथ किसी काम से देवास आए थे। गुरुवार रात वे कार से इंदौर की तरफ आ रहे थे। शिप्रा के पास किसी काम से गाड़ी रोकी। जब वापस कार में बैठने लगे, इसी दौरान तेज रफ्तार बस ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में प्रभात के सिर में गहरी चोट आई। साथी उन्हें लेकर अरबिंदो अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। एक्सीडेंट की जानकारी मिलते ही सोनकच्छ विधायक राजेश सोनकर समेत भाजपा के कई नेता अस्पताल पहुंचे। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी भी आ गए। विशेष अनुमति लेकर रात करीब 3 बजे शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। हादसे के बाद बस ड्राइवर गाड़ी लेकर मौके से भाग निकला। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

कथा श्रवण से होती है मन की शुद्धि, मिलती है मुक्तिः धानी शास्त्री

यज्ञ मंडप की परिक्रमा को श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़,भजन संध्या व रासलीला का लोग ले रहे आनंद,विराट रुद्र महायज्ञ के आठवें दिन शिव मंदिर में किया गया रुद्राभिषेक पूजन, कमल व गुलाब के फूल से किया गया बाबा भोलेनाथ का श्रृंगार,प्रकृति रक्षा के लिए 251 जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से दी जा रही आहुति, प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारा में श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण, कसारी रामगढ़ स्थित भिखारी बाबा आश्रम परिसर में चल रहा है आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। कसारी रामगढ़ स्थित भिखारी बाबा आश्रम परिसर में शुक्रवार को विराट रुद्र महायज्ञ में पूजन-अर्चन कराया गया।यज्ञ मंडप की परिक्रमा को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान जयकारे से समूचा परिसर गुंजायमान हो गया। शिव मंदिर में दूध से रुद्राभिषेक पूजन कराया गया, जबकि कमल व गुलाब के फूल से बाबा भोलेनाथ का श्रृंगार किया गया। वृंदावन से आई बाल कथा वाचिका धानी शास्त्री ने कहा कि कथा श्रवण करने से मन शुद्ध होता है और मुक्ति मिलती है। उन्होंने श्रीकृष्ण जन्म से लेकर माता यशोदा तक बासुदेव जी के जरिए भगवान श्री कृष्ण को पहुंचाने की लीला का रसपान कराया। वहीं भजन संध्या में वाराणसी से आए राष्ट्रीय बाल कलाकार श्री राम कृष्ण, श्री राधा कृष्ण व श्री राधे कृष्ण ने एक से बढ़कर एक भजन, गीत व गजल सुनाया। वृंदावन से आए कलाकारों की रासलीला देखने को भारी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। प्रकृति रक्षा के लिए 251 जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से आहुति दी गई। प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारा में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के आयोजक भिक्षुक भिखारी जंगली दास दीनबंधु रमाशंकर गिरी जी महाराज ने बताया कि आचार्यगण गोपालधर द्विवेदी, राजेश कुमार पाठक, हरिओम द्विवेदी व अमरेश तिवारी द्वारा विराट रूद्र महायज्ञ एवं पूजन कार्य कराया जा रहा है। शिव मंदिर में दूध, गंगाजल से रुद्राभिषेक पूजन कराया गया और कमल व गुलाब के फूल से बाबा भोलेनाथ का श्रृंगार किया गया। प्रकृति रक्षा के लिए 251 जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से आहुति दी जा रही है। प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारा में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। उन्होंने ने यह भी बताया कि 13 जून को विराट रुद्र महायज्ञ की पूर्णाहुति अयोध्या के महंत कमलनयन दास जी महाराज द्वारा होगी। इसके अलावा कन्याओं की शादी कराई जाएगी। कार्यक्रम में मुख्य यजमान दिनेश, उषा देवी, रूपा गुप्ता, देवेंद्र कुमार, चिंता मौर्य, उर्मिला देवी, विमला देवी, शशि देवी, विजय सिंह, मनीष कुमार, कृति सागर, शुभराम महाराज, परमानंद, रमेश कुमार, प्रहलाद, रामखेलावन, किरन मोदनवाल, मानवी, संगीता, मुन्ना बाबा, केवलानंद महाराज, कालो देवी, डॉक्टर विजय, हीरा सिंह, विवेक कुमार मालवीय आदि मौजूद रहे।

देश ने आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी, बुनियादी ढांचा, विदेश नीति तथा जनसेवा के अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की- प्रभारी मंत्री

भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराते हुए एक विश्वसनीय और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में पहचान बनाई-राकेश सचान,प्रदेश में आधारभूत संरचना, कानून व्यवस्था और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से दिखाई देता है स्पष्ट परिवर्तन,एक्सप्रेसवे, हाईवे एवं ग्रामीण सड़कों के निर्माण से कनेक्टिविटी में हुवा है व्यापक सुधार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)रायबरेली। मा0 प्रभारी मंत्री जनपद/मा0 मंत्री खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग उ0प्र0 राकेश सचान की अध्यक्षता में विकास भवन स्थित महात्मा गांधी सभागार में मीडिया संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मा0 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित हुआ। मा0 मंत्री ने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 12 वर्षों तक देश के प्रधानमंत्री के रूप में सेवा करते हुए भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। उनके नेतृत्व में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व के 12 वर्ष राष्ट्र विकास, सुशासन और जनकल्याण के एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में देखे जा रहे हैं। इस अवधि में भारत ने आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी, बुनियादी ढाँचा, विदेश नीति तथा जनसेवा के क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास'' के मंत्र को अपनाते हुए समावेशी विकास को बढ़ावा दिया गया है। गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, किसान हित, युवाओं के कौशल विकास तथा डिजिटल परिवर्तन को केंद्र में रखकर अनेक योजनाएँ संचालित की गईं, जिनका लाभ करोड़ों नागरिकों तक पहुँचा है। बीते 12 वर्षों में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराते हुए एक विश्वसनीय और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में पहचान बनाई है। आधारभूत संरचना के विस्तार, डिजिटल सेवाओं के प्रसार, आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने तथा नवाचार को प्रोत्साहन देने के प्रयासों ने देश को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मा0 मंत्री ने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में 12 वर्ष तथा मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 09 वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में अभूतपूर्व विकास हुआ है। प्रदेश में आधारभूत संरचना, कानून व्यवस्था और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से स्पष्ट परिवर्तन दिखाई देता है। उन्होंने बताया कि एक्सप्रेसवे, हाईवे एवं ग्रामीण सड़कों के निर्माण से कनेक्टिविटी में व्यापक सुधार हुआ है, वहीं एयर कनेक्टिविटी में भी तेजी आई है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर तथा भीमसेन में विकसित औद्योगिक केंद्र से औद्योगिक विकास को नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज नए इंफ्रास्ट्रक्चर, सर्वाधिक एक्सप्रेसवे, मेट्रो नेटवर्क, रेलवे कनेक्टिविटी एवं जन सुविधाओं के आधार पर देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो चुका है। इस अवसर पर जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका, पुलिस अधीक्षक रवि कुमार, मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, परियोजना निदेशक डीआरडीए मुनेश चन्द्र, डीसी मनरेगा प्रमोद सिंह, उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य, जिलाध्यक्ष भाजपा बुद्धि लाल पासी, जिलाध्यक्ष अपना दल सतेन्द्र पटेल, पूर्व विधायक रामलाल अकेला सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

लखनऊ में छात्रों का प्रदर्शन,एसआई अभ्यर्थी बोले- अभिजीत आए तो आंदोलन तहस-नहस हो जाएगा

लखनऊ। लखनऊ के इको गार्डन में आज, शुक्रवार को छात्रों और वनडे एग्जाम की तैयारी कर रहे अभ्यर्थी प्रदर्शन कर रहे हैं। इसमें कॉकरोच जनता पार्टी चीफ अभिजीत दीपके भी शामिल हो गए हैं। वह गुरुवार रात 2:20 बजे ही लखनऊ पहुंच गए थे। उन्होंने टीम इंडिया की टी-शर्ट पहन रखी थी। प्रदर्शन सुबह 10 बजे से शुरू हो गया लेकिन अभिजीत दोपहर डेढ़ बजे हाथ में संविधान की किताब लेकर इको गार्डन पहुंचे। उन्हें फोर्स ने सुरक्षा घेरा बनाकर धरना स्थल तक पहुंचाया। गार्डन में आरएएफ (रैपिड एक्शन फोर्स), पीएसी और लोकल पुलिस के 1500 से ज्यादा में तैनात हैं। सैकड़ों छात्र और समर्थक पोस्टर-बैनर लेकर पहुंचे हैं। वे 'पेपर लीक बंद करो, बंद करो' और 'यूपीएसआई स्कोर कार्ड जारी करो, जारी करो' के नारे लगा रहे हैं। इन छात्रों-अभ्यर्थियों ने कॉकरोच पार्टी और अभिजीत दीपके का विरोध किया है। कहा उनके आने से सरकार को मौका मिल जाएगा और हमारी भर्ती का रिजल्ट जारी नहीं होगा। हम कोई भी मौका नहीं देना चाहते। दीपके ने कहा था- हम दिल्ली और पुणे की तरह ही शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे। हम कहीं से कुछ भी गलत नहीं कर रहे हैं। बस लोकतंत्र में अपनी बात रख रहे हैं, जो हमारा संवैधानिक अधिकार है। लखनऊ पुलिस ने सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक प्रदर्शन करने की अनुमति दी है। इस प्रदर्शन की अनुमति एग्जामपुर कोचिंग के संचालक विवेक कुमार (बुलंदशहर) को दी गई थी। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (अइसा), कांग्रेस छात्र संगठन एनएसयूआई भी इसमें शामिल हैं। कॉकरोच पार्टी ने इससे पहले 11 जून को पुणे और 6 जून को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था। कॉकरोच पार्टी चीफ अभिजीत दीपके ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा- हमारा देश एक आंदोलन से बना था। आंदोलन नहीं हुआ होता तो आज आजादी भी नहीं मिलती। अगर देश में आंदोलन ना होता तो आज लोकतंत्र ना होता। आंदोलन करना सबसे बड़ी देशभक्ति है। ष्ठतो आप सब से रिक्वेस्ट करना चाहता हूं कि 20 जून को दिल्ली में होने वाले प्रोटेस्ट में आप सभी लोग शामिल हों। चाहे लेखपाल हो, यूपीएसआइ हो, नीट हो या सीबीएसई, जो-जो भी इनके पेपर लीक करने के दोषी होंगे, सबको रिजाइन करना होगा।

प्रबुद्ध जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न,'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मूल मंत्र पर कार्य कर रही सरकार - प्रभारी मंत्री

प्रबुद्ध वर्ग के सुझाव नीतियों को जनोन्मुखी बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण - राकेश सचान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मा0 प्रभारी मंत्री जनपद/मा0 मंत्री खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा तथा वस्त्रोद्योग विभाग उ0प्र0 श्री राकेश सचान की गरिमामयी उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में प्रबुद्ध जन संवाद कार्यक्रम का भव्य एवं सुव्यवस्थित आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनपद के प्रबुद्ध नागरिकों, शिक्षाविदों, चिकित्सकों, अधिवक्ताओं, उद्योगपतियों, व्यापारियों, समाजसेवियों एवं विभिन्न क्षेत्रों के प्रबुद्ध जनो के साथ सीधा संवाद किया, जिसमें लघु उद्योग भारती से सुशील अग्रवाल, सुरेश गुप्ता, रेस्टोरेन्ट एसोसिएशन से गौरव, शिक्षा क्षेत्र से डॉ0 प्रीती तिवारी, अजय सिंह चंदेल, हरीशानन्द मिश्र, विधिक प्रबुद्ध वर्ग से अजय मौर्या, विनोद द्विवेदी, हरीश चन्द्र शर्मा व्यापार मण्डल से के0के0 गुप्ता, स्नेहलता त्रिवेदी, जीसी सिंह चौहान, अभिषेक पटेल, प्रभाकर गुप्ता आदि से संवाद स्थापित कर जनपद के समग्र एवं संतुलित विकास हेतु सार्थक सुझाव प्राप्त किया गया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मूल मंत्र पर कार्य करते हुए जनसरोकारों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रबुद्ध वर्ग समाज का पथप्रदर्शक होता है तथा उनके विचार एवं सुझाव शासन की नीतियों को और अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मा0 मंत्री ने जनपद के विकास के प्रमुख क्षेत्रों जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना, रोजगार सृजन, महिला सशक्तिकरण एवं युवाओं के कौशल विकास पर विशेष बल देते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ पहुंचाया जाए। संवाद कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रबुद्ध जनों ने अपने-अपने क्षेत्र से संबंधित समस्याओं, सुझावों एवं अपेक्षाओं को मा0 मंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया। चर्चा के प्रमुख बिंदुओं में शहर की यातायात व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवाओं की सुदृढ़ता, शिक्षा व्यवस्था में सुधार, रोजगार के अवसरों का सृजन तथा ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल रहे। मा0 प्रभारी मंत्री ने सभी सुझावों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि प्राप्त सुझावों का संकलन कर प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होंने जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन के मध्य समन्वय स्थापित कर विकास कार्यों को गति देने पर बल दिया। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने मा0 मंत्री जी को आश्वस्त किया कि कार्यक्रम में प्राप्त सभी सुझावों एवं निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा तथा प्रत्येक बिंदु पर समयबद्ध कार्यवाही करते हुए जनपद के विकास को नई दिशा प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों द्वारा जनपद के विकास में सक्रिय सहयोग प्रदान करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का संचालन एस0एस0 पाण्डेय द्वारा किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ0 रवि कुमार, मुख्य विकास अधिकारी अंजु लता, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

संसार को माया से बांधने वाले प्रेम की डोरी से खुद बंध जाते हैं भगवानः यशोदानंदन जी महाराज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वृन्दावन। लड्डू गोपाल सेवा ट्रस्ट के यहां सवा लाख गाये थी और उनके घर में दूध - दही की नदिया के तत्वावधान में यमुना तट वृन्दावन धाम में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन यशोदानंदन महाराज ने कहा कि गोपियों की शिकायत पर माता यशोदा दुखी मन से कान्हा को रस्सी से बांधने चली तो वह रस्सी हमेशा दो अंगुल छोटी पड़ जाती।

माता यशोदा के अथक प्रयास के बाद भी जब कान्हा नहीं बंधे तो तक हार कर बड़ी कारूण दशा में बैठ गयी तब कान्हा ने स्वयं माता के आंसू पोंछकर खुद अपने आपको बंधवा लिया। महाराज जी कहते हैं कि दुनिया को भवबंधन से काटने वाले मां यशोदा के हाथों अपने आपको बंधवा लिया।

आज भगवान के बाल रूप का विस्तार से वर्णन किया गया। छठे दिन पूतना वध, फिर एक माह में दूसरे राक्षसों का वध किया। इस प्रकार कंस के भेजे गये एक-एक राक्षस का वध करते रहे। निरन्तर राक्षसों के आक्रमण पर नन्द बाबा वृन्दावन में आकर बस गये। नन्द बाबा बहती थी, इसके बाद भी बृज में खुशियां बांटने के लिए दूसरे घर माखन चुराकर खाने और दूसरों की हांडी फोड़ने का कार्य करते थे, आये दिन ग्वालिनें इसकी शिकायत माता यशोदा से किया करती थीं।

माता ने जब उन्हें ऊखल से बांधा तब उन्होंने नारद मुनि द्वारा शापित कुबेर के दो पुत्रों को,जो आंगन में वृक्ष के रूप में खड़े थे,को शाप मुक्त किया। यमुना के किनारे बाल खेलते समय जानबूझकर उन्होंने गेंद यमुना में फेंक दी,और उसे लाने यमुना में कूंद गये। यमुना जल में बहुत जहरीला सर्प रहता था, जिसके विष से यमुना का जल नीला और विषैला हो गया था। भगवान ने कालिया नाग को नाथ कर उसके फनों पर नाचते हुए जल के बाहर निकले।

कान्हा के जीवित निकलने और कालिया नाग को बंधे देखकर पूरे बृजवासी बहुत प्रसन्न हुए। महाराज जी ने कान्हा के रास लीला का भी वर्णन किया। जिस दिन कान्हा गाय चराने निकले तो वह दिन गोपाष्टमी के नाम से विख्यात हुआ और इस दिन लोग गाय और बछड़े की पूजा करते हैं।आज का मुख्य आकर्षण फूलों की होली रही। राधाकृष्ण की सुन्दर झांकी की प्रस्तुति हुयी और लगभग 05 टन फूलों की पंखुड़ियों से श्रोताओं द्वारा भगवान के संग होली हुयी।

पूरा पांडाल में फाल्गुन के महीने का माहौल रहा। महाराज जी द्वारा होली गीत गाये जाने पर श्रोताओं में जोश भर गया और नाचते रहे।

कथा के बीच बीच में गाये गये भजन यथाः कब दोगे दर्शन - कब दोगे दर्शन, गोवर्धन महाराज - गोवर्धन महाराज, राधिका गोरी से करा दो मेरा ब्याह,सावन के महीने में झूलों की लगी कतार,राधा झूला झूल रही ,फूलों से सज रहे वृन्दावन बिहारी,आज बिरज में होली है रसिया आदि भजनों से पूरा पांडाल झूम उठा। श्रीमद्भागवत कथा यज्ञ में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, बंगलोर, दिल्ली से सैकड़ों भक्त पहूंच गये/पहुंच रहे हैं।

यूपी के 1.5 लाख से अधिक युवाओं को मिलेगी नि :शुल्क फाइनेंशियल स्किल्स की ट्रेनिंग,यूपीएसडीएमयू और डीडीयू-जीकेवाई के 1000 से अधिक केन्द्रों में कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवा होंगे लाभांवित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। प्रदेश के युवाओं को हुनरमंद बनाकर रोजगार से जोड़ना ही अब योगी सरकार का लक्ष्य नहीं है, बल्कि अपनी प्राथमिकताओं का दायरा बढ़ाते हुए युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त, जागरूक और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार नागरिक बनाना भी प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री के इसी विजन को धरातल पर उतारते हुए उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (यूपीएसडीएम) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के बीच शुक्रवार को एमओयू हुआ। योगी सरकार की इस पहल पर पहली बार कौशल प्रशिक्षण को वित्तीय शिक्षा से जोड़ा जा रहा है। इस साझेदारी के तहत यूपीएसडीएम तथा दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू जीकेवाई) के अंतर्गत प्रदेश भर में 1000 से अधिक ट्रेनिंग सेंटर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 1.5 लाख से अधिक युवाओं को अगले हफ्ते से फाइनेंशियल स्किलिंग की विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि यह एमओयू प्रदेश के युवाओं के जीवन में एक महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आएगा। कौशल प्रशिक्षण के बाद रोजगार पाने वाले युवा अब केवल आय अर्जित नहीं करेंगे, बल्कि यह भी समझेंगे कि पहली सैलरी का सही उपयोग कैसे करें, बजट और बचत कैसे शुरू करें, इन्वेस्टमेंट कब और कहां करना चाहिए, लोन से कैसे बचना है, भविष्य की आर्थिक सुरक्षा कैसे तैयार करनी है। यह ट्रेनिंग युवाओं को घर खरीदने, व्यवसाय शुरू करने, परिवार की आर्थिक सुरक्षा, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवानिवृत्ति जैसे जीवन के बड़े निर्णय लेने में भी सक्षम बनाएगी। साथ ही वित्तीय जागरूकता उन्हें ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी निवेश योजनाओं और आर्थिक जोखिमों से सुरक्षित रहने में भी मदद करेगी। युवाओं को 'स्किल/फाइनेंशियल इंटेलीजेंस' के माध्यम से रोजगार से आगे बढ़कर आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने वाला एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा। एमओयू से पहले मिशन मुख्यालय स्थित सभागार में फाइनेंशियल लिटरेसी एंड अवेयरनेस वर्कशॉप का आयोजन किया गया, जिसमें विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों को वित्तीय जागरूकता एवं आर्थिक निर्णय क्षमता का महत्व बताया गया। मिशन निदेशक भी वर्कशॉप में मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि आज के समय में ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी निवेश योजनाओं और वित्तीय सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए हमने फाइनेंशियल स्किलिंग की ट्रेनिंग देने का निर्णय लिया है। प्रेसेंटेशन के माध्यम से एनएसई के अधिकारियों ने फाइनेंशियल सक्सेस के 12 मूल मंत्र बताए । उन्होंने बताया पहले खुद के भविष्य के लिए बचत करें। इनकम से कम खर्च करें। आपातकालीन फंड तैयार रखें। हाई इंटरेस्ट पर लोन लेने से बचें, रेगुलर इन्वेस्टमेंट करें। इन्वेस्टमेंट में विविधता रखें। रिस्क और रिटर्न की समझ रखें। टैक्स को देखते हुए निवेश करें। आवश्यक बीमा करवाएं। लॉन्ग टर्म एसेट्स लें और समय-समय पर इन्वेस्टमेंट की समीक्षा करें। वर्कशॉप में कर्मचारियों को सारथी एप (सारथि ऐप) के बारे में भी विस्तार से बताया गया। यह इन्वेस्टमेंट एजुकेशन के लिए बनाया गया एक उपयोगी डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जो उपयोगकर्ताओं को इन्वेस्टमेंट संबंधी शैक्षणिक वीडियो, वित्तीय योजना के टूल्स, कैलकुलेटर और फाइनेंशियल हेल्थ चेक अप जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराता है। वर्कशॉप में अपर मिशन निदेशक पूजा मिश्रा, जॉइंट डायरेक्टर मयंक गंगवार, वित्त नियंत्रक संदीप कुमार, असिस्टेंट डायरेक्टर एम के सिंह, असिस्टेंट डायरेक्टर पवित्रा टंडन व मिशन के अन्य कर्मचारी मौजूद रहें । वहीं, एनएसई से चीफ रेग्युलेटरी ऑफिसर अंकित शर्मा, वाइस प्रेसिडेंट जोगिंदर सिंह और यूपी रीजन की सीनियर इंचार्ज श्रुति शर्मा भी वर्क शॉप में मौजूद रहीं । कौशल विकास का वास्तविक उद्देश्य तब तक अधूरा है, जब तक हमारे युवा अपनी कमाई का सही उपयोग और मैनेजमेंट करना न सीखें। आज रोजगार पाना जरूरी है, लेकिन उससे भी अधिक आवश्यक है वित्तीय रूप से समझदार बनना। एनएसई के साथ यह साझेदारी युवाओं को स्किल/फाइनेंशियल इंटेलीजेंस के मॉडल पर तैयार करेगी, जिससे वे केवल नौकरी पाने वाले नहीं बल्कि आर्थिक रूप से सक्षम और जिम्मेदार नागरिक बन सकेंगे।

नोएडा वालों की बल्ले-बल्ले, आज से शुरू होगी ई-सिटी बस सेवा,गौतमबुद्ध नगर बन जाएगा देश का ऐसा पहला शहर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा, ग्रेटर नोएडा और ग्रेनो वेस्ट के मेडिकल डिवाइस पार्क से 11 बसें शामिल होंगी। इस परियोजना सिटी बस सेवा के तहत तीन से चार महीने में 100 इलेक्ट्रिक बसें

में आज से ई-सिटी बस सेवा शुरू हो रही है, जिससे 10 लाख निवासियों का लंबा इंतजार खत्म होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसका उद्घाटन करेंगे। नोएडा ग्रेटर नोएडा और ग्रेनो वेस्ट के 10 लाख निवासियों का लंबे समय से चल रहा सार्वजनिक परिवहन का इंतजार आज समाप्त हो रहा है। आज से ई-सिटी बस सेवा शुरू हो रही है, जो शहरवासियों को एक नई सुविधा प्रदान करेगी। इस सेवा का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया जाएगा, जिसमें पहले चरण में 110 ई-सिटी बसों का संचालन किया जाएगा। इनमें से 33 बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा, जिनमें नोएडा सेक्टर-33 स्थित नोएडा शिल्प हाट से 11, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण कार्यालय से 11 और यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के तहत नोएडा देश का पहला ऐसा शहर बन जाएगा, जहां ई-सिटी बस के लिए सबसे बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित किया गया है। यह डिपो नोएडा सेक्टर-90 में स्थित है, जहां से 510 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जाएगा। चार्जिंग स्टेशन पहले से तैयार-नोएडा सेक्टर-90 स्थित ई सिटी बस डिपो पर लगभग 150 चार्जिंग स्टेशन पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर बनाए जा रहे हैं, जिनमें से पांच स्थायी चार्जिंग स्टेशन पहले से तैयार हो चुके हैं। इन चार्जिंग स्टेशनों पर एक साथ कई ई बसों को चार्ज किया जा सकता है। 63 इलेक्ट्रिक बसें नोएडा डिपो पहुंच चुकी-अब तक 8 डबल डेकर बसें और 63 इलेक्ट्रिक बसें नोएडा डिपो पहुंच चुकी हैं। 15 जून तक 100 इलेक्ट्रिक बसें डिपो पर उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि ई-और उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अतिरिक्त, गाजियाबाद, हापुड, मेरठ, आगरा, अलीगढ़, मथुरा और अन्य शहरों की ई बसें नोएडा सेक्टर-90 और बॉटेनिकल गार्डन मिनी बस डिपो से संचालित होंगी। ये इलेक्ट्रिक बसें चार्ज होने के बाद 300 किलोमीटर की दूरी तय कर सकेंगी। इस प्रकार, पश्चिम उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से ई बसों की सुविधा अब नोएडा के माध्यम से उपलब्ध होगी। ई सिटी बसों का न्यूनतम संचालन 200 किलोमीटर तक अनिवार्य किया गया है। शहर में दूरी के अनुसार, सिटी बस का किराया 10, 20, 30 रुपये निर्धारित किया गया है, जबकि अधिकतम दूरी का किराया 50 रुपये होगा। अन्य जिलों में जाने के लिए रोडवेज का निर्धारित किराया मान्य रहेगा।

मैहर शहर में पटरी से उतरी यातायात व्यवस्था घंटाघर चौराहे से लेकर ओवर ब्रिज तक प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना का कर रहा है इंतजार - युवक कांग्रेस प्रदेश सचिव शिवम पाण्डेय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। मैहर में बिगड़ी यातायात को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। राहगीरों का कहना बदहाल हो चुकी है और प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार

व्यवस्था, घंटाघर चौराहे से ओवरब्रिज तक जाम के हालात, प्रशासन पर उठे सवाल,मैहर शहर में इन दिनों यातायात व्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतरती नजर आ रही है। घंटाघर चौराहे से लेकर ओवरब्रिज तक सड़क पर अव्यवस्थित पार्किंग, बढ़ता अतिक्रमण और यातायात नियंत्रण की कमी के कारण आम जनता है कि व्यस्त मार्ग होने के बावजूद यहां व्यवस्था सुधारने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। आए दिन जाम की स्थिति बनती है, जिससे वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को परेशानी होती है। युवक कांग्रेस प्रदेश सचिव शिवम पाण्डेय ने प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कहा कि शहर की यातायात व्यवस्था कर रहा है। उन्होंने मांग की है कि जल्द से जल्द यातायात व्यवस्था दुरुस्त की जाए, अतिक्रमण हटाया जाए और लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए। अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कब तक कार्रवाई करता है या फिर किसी हादसे के बाद ही व्यवस्था सुधारी जाएगी।

वाराणसी में जिला जज की कुर्सी पर बैठी गई महिला, बोली- आज मैं सुनवाई करूंगी, गवाह और सबूत पेश करिए, पुलिस ने नीचे उतारा

वाराणसी। शुक्रवार सुबह 9 बजे जिला जज की कुर्सी पर एक महिला बैठ गई। कुर्सी पर बैठते ही हैमर पटकते हुए चिल्लाई- ऑर्डर-ऑर्डर। वकीलों को धमकी दी। इसके बाद महिला पुलिस बल को बुलाया गया। पुलिस ने वंदना को जिला जज की कुर्सी से नीचे उतारा। अपर जिला जज ने लगाई फटकार,

से कहा- आज मैं जिला जज हूं। गवाह और सबूत पेश करिए। आज सारे मामले की सुनवाई मैं करूंगी। जो भी काम हो हमको बताया जाए। इसके बाद फाइलें उठाकर उनको पलटना शुरू कर दिया। एकाएक हुए इस घटनाक्रम से वकील चौंक गए। उन्होंने वीडियो बनाना शुरू किया तो महिला भड़क गई। वकीलों ने महिला को बाहर जाने के लिए कहा, लेकिन वह कुर्सी पर ही बैठी रही। इसके बाद महिला पुलिसकर्मियों को बुलाया गया। पुलिस महिला को हिरासत में लेकर कैंट थाने लेकर चली गई। करीब एक घंटे तक यह ड्रामा चला। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को जिला जज अवकाश पर थे। कुर्सी पर बैठते ही महिला चिल्लाई- ऑर्डर-ऑर्डर शुक्रवार सुबह जिला कोर्ट खुला। कर्मचारियों ने जिला जज समेत सभी कोर्ट में आज सुनवाई के लिए प्रस्तावित मुकदमों की फाइलें रख दीं। तभी शिवपुर निवासी बुज गुप्ता की पत्नी वंदना गुप्ता (50) कोर्ट में घुस आईं।जिला जज के आने का समय पूछा। कुछ देर बाद वह जिला जज की डायस पर पहुंच गईं और कुर्सी पर बैठ गईं। हैमर उठाकर टेबल पर पटकते हुए जोर से चिल्लाकर कहा-ऑर्डर-ऑर्डर। यह सुनकर कोर्ट रूम में मौजूद वकील खड़े हो गए। यह देखकर वंदना गुप्ता बोली कि आप लोग खड़े मत हो। गवाह और सबूत पेश करिए। जो भी काम हो मुझे बताइए। पुलिस ने कुर्सी से उठाया, थाने लेकर गई जज की कुर्सी में वंदना के बैठने की सूचना मिलते ही कई वकील दौड़ते हुए कोर्ट रूम पहुंचे। उन्होंने वंदना से कुर्सी से नीचे उतरने को कहा। लेकिन वह नहीं मानी। वकील डायस के पास पहुंचे तो वह उन पर चिल्लाने लगी। पास आने वालों तलब की रिपोर्ट घटना की जानकारी पर अपर जिला जज यजुवेंद्र विक्रम सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा कर्मियों की अनुपस्थिति पर नाराजगी जताई। संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगे जाने के निर्देश दिए।इसके बाद न्यायालय प्रशासन ने सभी प्रवेश द्वारों पर तैनात सुरक्षा कर्मियों को निर्देश दिए हैं कि उक्त महिला को कचहरी परिसर में प्रवेश न करने दिया जाए। घटना के बाद न्यायालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए। पहले भी हंगामा कर चुकी है वंदना वकीलों के अनुसार, वंदना का न्यायालय में कोई मामला लंबित नहीं है। वह पहले भी कई बार न्यायालय परिसर में पहुंचकर जज की कुर्सी पर बैठ चुकी है। महिला ने ऐसा क्यों किया? इस सवाल पर पुलिस का कहना है कि महिला से पूछताछ की जा रही है।

दो शादियां की, विवाद के पतियों ने अलग हुईं-कोर्ट में हंगामा करने वाली वंदना गुप्ता की दो शादियां हुई थीं। पहली शादी 2010 में मिर्जापुर के अहरौरा के रहने वाले राजेंद्र प्रसाद केसरी से हुई थी। पति पर आरोप लगाते हुए 2012 में दोनों अलग हो गए। इसके बाद वंदना ने पति और उसके परिवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया, जिसकी सुनवाई फैमिली कोर्ट में चल रही है। इसके बाद 2013 में वंदना ने गोरखपुर निवासी अंबुज अग्रवाल से विंध्याचल मंदिर में दूसरी शादी की। कुछ साल बाद वह दूसरे पति से भी अलग हो गईं। 2018 में वंदना की मां और 2021 में पिता का निधन हो गया। पुलिस का कहना है कि अकेले रहने के कारण वह डिप्रेशन में चली गई थीं।

सपा नोएडा महानगर व्यापार सभा की मासिक बैठक संपन्न, व्यापारियों की समस्याओं पर हुई चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। समाजवादी पार्टी नोएडा बाद छोटे और मध्यम व्यापारियों की आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल आर्थिक दबाव में हैं और बाजारों में कारोबार प्रभावित हुआ है। डॉ.

महानगर व्यापार सभा की मासिक बैठक का आयोजन सेक्टर-22 स्थित सैफ्रन बैंक्विट हॉल में किया गया। बैठक की समीक्षा एवं अध्यक्षता समाजवादी पार्टी व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रदेश अध्यक्ष ने व्यापारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए वर्तमान सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े किए। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदीप जायसवाल ने कहा कि आज देश का व्यापारी वर्ग अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि जीएसटी लागू होने के प्रभाव पड़ा है तथा बढ़ती जटिलताओं के कारण व्यापार करना कठिन होता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार में व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं सुना जा रहा है, जिसके कारण व्यापारी वर्ग स्वयं को उपेक्षित महसूस कर रहा है। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा व्यापारियों, युवाओं, मजदूरों और आम जनता की आवाज़ को मजबूती से उठाती रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों के कारण छोटे व्यापारी गुप्ता ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि समाजवादी पार्टी उनके हितों की लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ती रहेगी।बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, व्यापारियों की स्थानीय समस्याओं को प्रशासन के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाने तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में प्रमुख रूप से प्रदेश अध्यक्ष व्यापार सभा प्रदीप जायसवाल, अरिहंत मंडल प्रभारी अक्षय जैन, महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता, बाबूलाल बंसल, विकास यादव, शिव कुमार यादव, उमेश सिंह, रामवीर यादव, राणा मुखर्जी, निश्चल एवं गुड्डू उपस्थित रहे।

सोनभद्र के खनन टेंडर मामले में सुप्रीमकोर्ट का बड़ा फैसलाःज्यादा बोली लगाने वाले को एलओआई जारी करने के हाईकोर्ट के आदेश पर लगाई रोक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। बिल्ली मारकुंडी खनन दे दिया गया।इसी तरह दो अन्य पट्टों में 333-333 रुपए की जिसके बाद माँ दुर्गा माइनिंग वर्क्स ने सुप्रीम कोर्ट में हाईकोर्ट

क्षेत्र के भूमिधरी खनन पट्टों को लेकर 12 जनवरी 2026 को सोनभद्र में कई खनन क्षेत्रों के लिए ई-नीलामी निकाली गई थी। इसमें कांत कंस्ट्रक्शन ने एक पट्टे के लिए 1051 रुपए प्रति घन मीटर की सबसे ऊंची बोली लगाई थी, जबकि बेस प्राइस 165 रुपए तय था। इसके बाद भी कंपनी की बोली ये कहकर कैंसिल कर दी गई कि उसने एफिडेविट, डिमांड ड्राफ्ट और चालान की हार्ड कॉपी जमा नहीं की। बाद में यही पट्टा 207 रुपए प्रति घन मीटर की बोली लगाने वाली मां दुर्गा माइनिंग वर्क्स को बोलियां कैंसिल कर 201 और 202 रुपए वाली कंपनियों को ठेका दे दिया गया।जिसके बाद मामला हाईकोर्ट में जाने के बाद कोर्ट ने इसे नीलामी प्रक्रिया में हेराफेरी का मामला माना। जस्टिस अरिंदम सिन्हा और सत्यवीर सिंह की डिवीजन बेंच ने डीएम की ओर से जारी एलओआई (लेटर ऑफ इंटेंट) रद्द कर दिया। कोर्ट ने प्रशासन को याचिकाकर्ता कांत कंस्ट्रक्शन कंपनी और रुद्रा एंटरप्राइजेज के पक्ष में 8 मई 2026 को नया एलओआई जारी करने का आदेश दे दिया। के आदेश को चुनौती देते हुए विशेष अनुमति याचिका दायर कर दिया।जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए सभी प्रतिवादियों को नोटिस जारी करते हुए अगली तिथि 3 अगस्त 2026 निर्धारित करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा 8 मई को आदेश किये गए लेटर ऑफ इंटेंट को अगली सुनवाई तक स्थगित कर दिया है।जिसके साथ ही सुप्रीमकोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाते हुए अगली सुनवाई 3 अगस्त तक प्रभावी रहने का आदेश दे दिया है।

यूपीआईटीएस 2026 ने दिल्ली रोडशो के साथ देशव्यापी प्रचार अभियान का किया शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) 2026) के चौथे संस्करण के प्रचार अभियान का शुभारंभ आज नई दिल्ली में आयोजित भव्य रोड शो के साथ हुआ। यह देशव्यापी प्रचार श्रृंखला का पहला चरण है, जिसका उद्देश्य देशभर के उद्योग जगत, निर्यातकों, खरीदारों, व्यापारिक संगठनों एवं निवेशकों को इस महत्त्वपूर्ण आयोजन से जोड़ना है। यूपीआईटीएस आज भारत के सबसे महत्वपूर्ण राज्य-स्तरीय व्यापार आयोजनों में से एक के रूप में स्थापित हो चुका है और अब इसे उत्तर प्रदेश सरकार एवं इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड (आईईएमएल) द्वारा संयुक्त रूप से वार्षिक फ्लैगशिप आयोजन के रूप में आयोजित किया जा रहा है। पिछले तीन संस्करणों की उल्लेखनीय सफलता के आधार पर यूपीआईटीएस का चौथा संस्करण 25 से 29 सितम्बर 2026 तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में आयोजित किया जाएगा। दिल्ली रोड शो में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय एमएसएमई मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार भूपेन्द्र चौधरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में माननीय एमएसएमई राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार हंसराज विश्वकर्मा, प्रमुख सचिव एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग उत्तर प्रदेश सरकार शशि भूषण लाल सुशील (आईएएस) संयुक्त सचिव (राज्य) विदेश

मंत्रालय अजय कुमार, अध्यक्ष इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड डॉ राकेश कुमार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड सुदीप सरकार तथा फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन्स (एफआईईओ) के अतिरिक्त महानिदेशक सुविध शाह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।इस अवसर पर संबोधित करते हुए माननीय मुख्य अतिथि भूपेन्द्र चौधरी ने कहा की यूपीआईटीएस उत्तर प्रदेश की औद्योगिक शक्ति, उद्यमशीलता, निर्यात क्षमता और सांस्कृतिक समृद्धि को प्रदर्शित करने वाला एक सशक्त मंच बन चुका है। इस आयोजन ने एमएसएमई क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने, ओडीओपी उत्पादों को बढ़ावा देने, बाजार तक पहुंच उपलब्ध कराने तथा नए व्यावसायिक अवसर सृजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उत्तर प्रदेश जैसे-जैसे एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है, यूपीआईटीएस व्यापार, निवेश और आर्थिक विकास को गति देने वाले प्रमुख उत्प्रेरक के रूप में अपनी भूमिका निभाता रहेगा। उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय एमएसएमई राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने यूपीआईटीएस 2026 में अधिक से अधिक सहभागिता का आह्वान करते हुए कहा की भारत में सदियों से व्यापार मेलों और बाजारों की एक समृद्ध परंपरा रही है, जिसने पीढ़ियों से कारीगरों, शिल्पकारों, लघु उद्यमों और उद्यमियों को सशक्त बनाया है। इसी गौरवशाली विरासत को आधुनिक और वैश्विक स्वरूप प्रदान करते हुए

उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो का चौथा संस्करण 25-29 सितम्बर 2026 को इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट ग्रेटर नोएडा में होगा आयोजित

उत्तर प्रदेश सरकार ने एक ऐसे मंच की परिकल्पना की, जिसकी पहुँच अंतरराष्ट्रीय हो, लेकिन जिसकी जड़ें भारत की स्वदेशी शक्ति, कौशल और उद्यमशीलता की भावना में गहराई से निहित हों। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो 'यूपीआईटीएस' उत्तर प्रदेश को विश्व से जोड़ने वाला एक सशक्त सेतु है। उत्तर प्रदेश सरकार के एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग के प्रमुख सचिव शशि भूषण लाल सुशील(आईएएस) ने कहा की यूपीआईटीएस उत्तर प्रदेश सरकार के उस विज़न को प्रतिबिंबित करता है जिसके तहत राज्य को व्यापार, विनिर्माण, निर्यात और निवेश के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित किया जा रहा है। इस रोड शो श्रृंखला के माध्यम से हमारा उद्देश्य देशभर के उद्योग जगत से जुड़ाव को और मजबूत करना तथा उद्योगों, संस्थानों और खरीदारों की भागीदारी को बढ़ाना है। यूपीआईटीएस अवसरों और बाजारों को उद्यमों से जोड़ने वाला एक प्रभावी सेतु बन चुका है। इस अवसर पर इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ राकेश कुमार ने कहा की पिछले तीन संस्करणों में यूपीआईटीएस को मिली अभूतपूर्व प्रतिक्रिया इस मंच पर उद्योग और व्यापार समुदाय के विश्वास को दर्शाती है। यूपीआईटीएस ने निर्माताओं, निर्यातकों, स्टार्टअप्स, कारीगरों, निवेशकों और नीति निर्माताओं को एक ही मंच पर सफलतापूर्वक एकत्रित किया है। हमें विश्वास है कि चौथा संस्करण सहभागिता, व्यापारिक अवसरों और अंतरराष्ट्रीय पहुंच के नए मानक स्थापित करेगा। कार्यक्रम के अंतरराष्ट्रीय आयाम पर प्रकाश डालते हुए एफआईईओ के अतिरिक्त महानिदेशक सुविध शाह ने कहा की यूपीआईटीएस में विदेशी खरीदारों की लगातार बढ़ती भागीदारी यह दर्शाती है कि उत्तर प्रदेश से उभर रहे उत्पादों और अवसरों के प्रति वैश्विक रुचि निरंतर बढ़ रही है। एफआईईओ गुणवत्तापूर्ण अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को जोड़ने और सार्थक व्यापारिक संवाद को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे भारतीय निर्यातकों को नए बाजारों तक पहुंचने और भारत की वैश्विक व्यापारिक उपस्थिति को सशक्त बनाने में सहायता मिल सके। सितम्बर 2025 में आयोजित यूपीआईटीएस के पिछले संस्करण का उद्घाटन स्वयं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया था। अपने संबोधन में उन्होंने एमएसएमईज़ को प्रोत्साहित करने, स्थानीय उद्यमों को सशक्त बनाने तथा मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड की परिकल्पना को आगे बढ़ाने में इस आयोजन की भूमिका की सराहना की थी। मा0 प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश की बढ़ती आर्थिक क्षमता पर विश्वास व्यक्त करते हुए यूपीआईटीएस को स्थानीय उद्यमों को वैश्विक अवसरों से जोड़ने वाला प्रभावी मंच बताया था।यूपीआईटीएस की सफलता इसकी लगातार बढ़ती सहभागिता और व्यापारिक उपलब्धियों में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। वर्ष 2025 के संस्करण में 5,07,099 से अधिक आगंतुकों ने भाग लिया, जिनमें 1,40,735 बी2बी विज़िटर्स शामिल थे। इस आयोजन में 2,228 प्रदर्शकों ने 35,000 वर्ग मीटर से अधिक प्रदर्शनी क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के दौरान हजारों व्यावसायिक बैठकें आयोजित हुईं तथा प्रतिभागी उद्यमों के लिए महत्वपूर्ण व्यापारिक अवसर सृजित हुए।यूपीआईटीएस अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक सहभागिता के एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में भी उभरा है। पिछले संस्करण में एफआईईओ के सहयोग से 85 देशों से 550 से अधिक विदेशी खरीदारों ने भाग लिया, जिसने उत्तर प्रदेश को वैश्विक सोर्सिंग गंतव्य के रूप में और अधिक सुदृढ़ बनाया। दिल्ली रोड शो आगामी महीनों में देश के विभिन्न राज्यों में आयोजित होने वाली प्रचार गतिविधियों की श्रृंखला की शुरुआत है। इन रोडशोज़ का उद्देश्य घरेलू खरीदारों की भागीदारी को बढ़ाना, अंतरराज्यीय व्यापार एवं वाणिज्य को प्रोत्साहित करना, भारतीय उद्यमों से सोर्सिंग को बढ़ावा देना तथा देश के भीतर मजबूत व्यापारिक संबंध स्थापित कर आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने में योगदान देना है। इसके साथ ही यूपीआईटीएस अंतरराष्ट्रीय भागीदारी को बढ़ाने और उत्तर प्रदेश को एक अग्रणी वैश्विक सोर्सिंग हब के रूप में स्थापित करने पर भी विशेष ध्यान केंद्रित कर रहा है। व्यापक खरीदार संपर्क कार्यक्रमों और निर्यात प्रोत्साहन संस्थाओं के साथ रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से वर्ष 2026 में और अधिक अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक भागीदारी आकर्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। उत्तर प्रदेश की व्यापारिक परंपराओं और आर्थिक परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करते हुए यूपीआईटीएस राज्य की विनिर्माण क्षमता, एमएसएमई सामर्थ्य, ओडीओपी उत्पादों, नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र, निर्यात, संस्कृति, व्यंजन, पर्यटन, हस्तशिल्प तथा उभरते औद्योगिक क्षेत्रों को एक ही मंच पर प्रस्तुत करता है। इस आयोजन ने ओडीओपी उत्पादों के लिए बाजार विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और आगामी संस्करण में वन डिस्ट्रिक्ट वन क्यूज़ीन (ओडीओपी) जैसी पहलों को भी नई गति मिलने की उम्मीद है।उत्तर प्रदेश जहां एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है और भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के राष्ट्रीय संकल्प में योगदान दे रहा है, वहीं यूपीआईटीएस 2026 व्यापार, निवेश, निर्यात, नवाचार और वैश्विक साझेदारियों को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

बरसात से पूर्व जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान को लेकर प्रशासन सक्रिय,इमरती कॉलोनी एवं मार्केट क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था होगी सुदृढ़

जिलाधिकारी ने सीएनडीएस, नगर पालिका, जल निगम व आईआईटी विशेषज्ञों के साथ की विस्तृत समीक्षा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) जनपद में वर्षाकाल के दौरान होने

वाली जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान हेतु जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने सीएनडीएस, नगर पालिका परिषद, जल निगम तथा आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक कर जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। गौरतलब है कि इमरती कॉलोनी एवं आसपास के क्षेत्रों में बरसात के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या के समाधान के लिए पूर्व में स्थलीय निरीक्षण किया गया था, जिसमें स्थानीय नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों से सुझाव प्राप्त किए गए थे। इसके उपरांत संबंधित विभागों द्वारा विस्तृत सर्वेक्षण कराया गया तथा आईआईटी कानपुर की विशेषज्ञ टीम ने तकनीकी परीक्षण एवं अध्ययन कर विभिन्न विकल्पों का मूल्यांकन किया। बैठक में विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट एवं ड्रेनेज डिजाइन की समीक्षा करते हुए बताया गया कि इमरती कॉलोनी से बढ़ौली चौराहा, कचहरी एवं महिला थाना मार्ग होते हुए बेलन नदी तक नाले का निर्माण जल निकासी के लिए सर्वाधिक प्रभावी एवं व्यवहारिक विकल्प होगा। इस प्रस्ताव से क्षेत्र में वर्षाजल का त्वरित एवं सुगम निकास सुनिश्चित हो सकेगा तथा जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान प्राप्त होगा। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बरसात से पूर्व आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि पुराने नगर पालिका क्षेत्र का समग्र सर्वेक्षण कर वैज्ञानिक आधार पर नया ड्रेनेज प्लान तैयार किया जाए, ताकि भविष्य में किसी भी क्षेत्र में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि नागरिकों को जलभराव जैसी समस्याओं से राहत दिलाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है तथा इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

कोर्ट के आदेश के 11 महीने बाद भी नहीं हुई जमीन की पत्थरगड्डी,कानूनगो व लेखपाल द्वारा दबंग व्यक्ति के प्रभाव में आकर की जा रही हीलाहवाली

पीड़ित व्यक्ति ने डीएम सोनभद्र व डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र को प्रार्थना पत्र देकर लगाई गुहार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। कोर्ट के आदेश के 11 महीने बाद भी जमीन की पथरगड्डी नहीं हुई। सिर्फ कानूनगो व लेखपाल द्वारा दबंग व्यक्ति के प्रभाव में आकर हीलाहवाली की जा रही है। पीड़ित व्यक्ति ने डीएम सोनभद्र व डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र को प्रार्थना पत्र देकर गुहार लगाई है।पीड़ित व्यक्ति मुल्ला खान पुत्र स्वर्गीय अरमान खान निवासी ग्राम बनौरा प्रथम, थाना पन्नूगंज, जिला सोनभद्र ने आरोप लगाया है कि डिप्टी कलेक्टर रॉबर्ट्सगंज के न्यायालय ने 25 जून 2025 को आराजी नम्बर 198 मि की पथरगड्डी का स्पष्ट आदेश पारित किया गया है। जिसमें राजस्व निरीक्षक व लेखपाल को

टीम के साथ मौके पर जाकर सीमांकन करने को कहा गया था। बावजूद इसके 11 महीने बीत जाने के बाद भी कोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं किया जा रहा है, बल्कि कानूनगो व लेखपाल द्वारा आदेश की अवहेलना की जा रही है। इतना ही नहीं कभी धान की फसल तो कभी गेहूं की फसल का बहाना बनाकर लगातार हीलाहवाली की जा रही है। यह कार्य जमीन के बगल के दबंग के प्रभाव में हो रहा है, क्योंकि दबंग ने जमीन के कुछ हिस्से पर अवैध कब्जा कर रखा है। दबंग व्यक्ति द्वारा जान मारने की धमकी भी दी जा रही है। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र मे पीड़ित व्यक्ति मुल्ला खान अपने अधिवक्ता पुत्र शाहनवाज आलम खान के साथ एक शिकायत पत्र डीबीए कार्यालय में देकर कोर्ट के आदेश का अनुपालन कराए जाने की मांग की है।

जिलाधिकारी के नेतृत्व में सोनभद्र ने रचा नया कीर्तिमान, मात्र 7 दिनों में 80 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त कर प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल किया

मूल्यांकन सूची पुनरीक्षण अभियान को मिली ऐतिहासिक सफलता, 4 दिनों में 45 प्रतिशत तथा 7 दिनों में 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण,संपत्तियों के वैज्ञानिक एवं पारदर्शी मूल्यांकन की दिशा में सोनभद्र की बड़ी छलांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में आगामी जुलाई माह से लागू होने वाली नई मूल्यांकन सूची (सर्किल रेट) के निर्धारण हेतु जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान ने उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। जिलाधिकारी के सतत अनुश्रवण, प्रभावी रणनीति एवं सभी संबंधित विभागों के समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप जनपद ने प्रदेश स्तर पर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विशेष खसरा फीडिंग अभियान के अंतर्गत मात्र 4 दिनों में लगभग 45 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया तथा केवल 7 दिनों में ही 80 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करते हुए सोनभद्र ने प्रदेशीय रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार दर्ज कर प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त कर लिया है। यह उपलब्धि जनपद प्रशासन की कार्यकुशलता एवं अधिकारियों-कर्मचारियों की प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। संपत्तियों के यथार्थ एवं वैज्ञानिक मूल्यांकन में खसरा संख्याओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इन्हीं के आधार पर भूमि की वास्तविक स्थिति, उपयोगिता तथा मूल्य को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों का सटीक आकलन किया जाता है। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार निर्धारित किया जा सकेगा। जनपद स्तर पर उपनिबंधक, राजस्व विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा अन्य संबंधित

जनपद की सभी तहसीलों में युद्धस्तर पर अभियान चलाकर खसरा संख्याओं की ऑनलाइन फीडिंग सुनिश्चित की जा रही है।अभियान के अंतर्गत प्रत्येक भूमि की अवस्थिति का विस्तृत विवरण भी संकलित किया जा रहा है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि भूमि राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग अथवा अन्य मार्गों से किस प्रकार जुड़ी हुई है। साथ ही भूमि के आसपास उपलब्ध आवासीय, व्यावसायिक एवं अन्य विकासात्मक गतिविधियों का भी विवरण दर्ज किया जा रहा है। इससे संपत्तियों का बाजार मूल्य अधिक पारदर्शी, तर्कसंगत एवं वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप विभागों के संयुक्त प्रयासों से यह कार्य निरंतर प्रगति पर है। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने निर्देशित किया है कि मूल्यांकन सूची का निर्माण स्थानीय परिस्थितियों, भूमि की वास्तविक उपयोगिता तथा बाजार की वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए किया जाए, जिससे आमजन को पारदर्शी, न्यायसंगत एवं व्यवहारिक व्यवस्था का लाभ प्राप्त हो सके। सोनभद्र की यह उपलब्धि न केवल प्रदेश में जनपद की कार्यक्षमता का परिचायक है, बल्कि भविष्य में अधिक सटीक एवं पारदर्शी सर्किल रेट निर्धारण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी सिद्ध होगी। जिला सूचना कार्यालय, सोनभद्र द्वारा जनहित में प्रसारित।

प्रभारी मंत्री श्री हंसराज विश्वकर्मा 13 एवं 14 जून को जनपद सोनभद्र के दौरे पर रहेंगे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार के लघु एवं सूक्ष्म उद्योग मंत्री एवं जनपद सोनभद्र के प्रभारी मंत्री श्री हंसराज विश्वकर्मा 13 एवं 14 जून 2026 को जनपद सोनभद्र के दो दिवसीय भ्रमण पर रहेंगे। अपने प्रवास के दौरान वे विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों, जनचौपाल,

स्वास्थ्य मेला, स्वच्छता अभियान तथा जनसंपर्क कार्यक्रमों में प्रतिभाग करेंगे। प्रभारी मंत्री दिनांक 13 जून को वाराणसी से प्रस्थान कर ग्राम पंचायत बहुअरा स्थित अमृत सरोवर तालाब के निकट रामलीला मंच मैदान में आयोजित जनचौपाल कार्यक्रम में भाग लेंगे तथा आमजन की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे। इसके उपरांत वे सर्किट हाउस, लोढ़ी में रात्रि विश्राम करेंगे। दिनांक 14 जून को प्रभारी मंत्री चांडी माता मंदिर, सहिजन खुर्द में आयोजित स्वच्छता अभियान में सहभागिता करेंगे तथा स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता का संदेश देंगे। इसके पश्चात वे पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं से भेंट करेंगे तथा सर्किट हाउस लोढ़ी में प्रेसवार्ता को संबोधित करेंगे। अपने भ्रमण कार्यक्रम के दौरान प्रभारी मंत्री राबर्ट्सगंज ब्लॉक परिसर सभागार में आयोजित जन कल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेले का उद्घाटन करेंगे। इसके अतिरिक्त चतरा ब्लॉक परिसर सभागार में आयोजित प्रबुद्ध वर्ग संवाद कार्यक्रम में प्रतिभाग कर विभिन्न विषयों पर संवाद स्थापित करेंगे। सायंकाल वे नगर पालिका परिषद राबर्ट्सगंज क्षेत्र में आयोजित विशेष जनसंपर्क कार्यक्रम में भाग लेकर आमजन से संवाद करेंगे।

दोनों पैरों से दिव्यांग राहुल को मिला सहारा, जिलाधिकारी ने भेंट की ट्राई साइकिल,जनसुनवाई में संवेदनशील पहल, ट्राई साइकिल पाकर भावुक हुए राहुल; आंखों से छलक पड़े खुशी के आंसू

ट्राई साइकिल बनी राहुल की नई उम्मीद,जिलाधिकारी की संवेदनशील पहल,जनसुनवाई में मिला सहारा, दिव्यांग राहुल के चेहरे पर लौटी मुस्कान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान उस समय भावुक क्षण

देखने को मिला, जब जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने दोनों पैरों से दिव्यांग श्री राहुल कुमार पुत्र श्री रतन प्रसाद, निवासी चोपन मार्केट, सब्जी मंडी के पास को ट्राई साइकिल प्रदान की।

वर्षों से आवागमन की कठिनाइयों से जूझ रहे राहुल को जब ट्राई साइकिल मिली तो उनके चेहरे पर खुशी साफ झलक उठी और उनकी आंखें नम हो गईं। राहुल कुमार दोनों पैरों से दिव्यांग हैं, जिसके कारण उन्हें अपने दैनिक कार्यों एवं आवागमन में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। जनसुनवाई के दौरान उनकी समस्या जिलाधिकारी के संज्ञान में आने पर तत्काल संवेदनशीलता दिखाते हुए उन्हें ट्राई साइकिल उपलब्ध कराई गई। ट्राई साइकिल प्राप्त करने के बाद राहुल ने भावुक होकर उ0प्र0 शासन एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सहायता उनके लिए केवल एक साधन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। अब वे अपने दैनिक कार्य पहले की अपेक्षा अधिक सुगमता से कर सकेंगे।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकता समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है। दिव्यांगजन समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उन्हें सम्मानजनक एवं आत्मनिर्भर जीवन उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि पात्र दिव्यांगजनों को शासन की सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराया जाएगा।

फुटबॉल वर्ल्डकप की सबसे बड़ी दावेदार स्पेन,18 साल के यमाल ताकत, फ्रांस नंबर-2, जानिए मेसी की अर्जेंटीना किस नंबर पर है

मैक्सिको। फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत हो चुकी है। दुनिया की 48 बेस्ट टीमें खिताब के लिए भिड़ रही हैं। ऑप्टा सुपरकंप्यूटर और ईपीएसएन ने

जीतने के टॉप-10 दावेदार

टीम	क्वार्टर फाइनल	सेमीफाइनल	फाइनल	चैंपियन बनने की संभावना
स्पेन	52.10%	39.00%	25.60%	16.10%
फ्रांस	47.90%	33.40%	21.20%	13.00%
इंग्लैंड	47.70%	30.30%	19.00%	11.20%
अर्जेंटीना	45.20%	30.30%	18.10%	10.40%
पुर्तगाल	40.20%	23.70%	13.00%	7.00%
ब्राजील	38.20%	22.10%	12.30%	6.60%
जर्मनी	33.80%	20.20%	10.60%	5.10%
नीदरलैंड्स	29.50%	15.20%	7.90%	3.60%
नॉर्वे	27.20%	14.50%	7.40%	3.50%
बेलियम	28.90%	12.80%	5.60%	2.40%

एनालिसिस किया और कहा कि इस वर्ल्ड कप की सबसे बड़ी दावेदार स्पेन है। इस टीम का सबसे चर्चित चेहरा हैं 18 साल के लेमिन यमाल। उन्हें 16 गोल करने के लिए स्पेन के सबसे बड़े टूर्नामेंट ला लीगा का प्लेयर ऑफ द सीजन चुना गया। साथ ही रोड्री और पेड्री जैसे भरोसेमंद मिडफील्डर्स के ये टीम ताकतवर हैं। 2018 का वर्ल्ड कप जीत चुकी फ्रांस इस बार दूसरी बड़ी दावेदार है, जिसके स्टार खिलाड़ी किलियन एम्बापे इन-फॉर्म हैं। जिन्होंने पिछले वर्ल्ड कप में गोल की हैट्रिक बनाई थी। वर्ल्ड कप में फ्रांस की टीम का नेतृत्व एम्बापे के हाथ में ही है। इसके बाद नंबर है इंग्लैंड का, जिनके कैप्टन हैरी केन जबरदस्त फॉर्म में हैं। वे इस टूर्नामेंट में गोल्डन बूट के दावेदार भी माने जा रहे हैं। वे 2025-26 के सीजन में 51 मैचों में 61 गोल कर चुके हैं। चौथी दावेदार है पिछली विजेता अर्जेंटीना। जिनके स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी से इस बार भी करिश्मे की उम्मीद है। मेसी पिछले वर्ल्डकप में गोल्डन बूट विजेता थे और फाइनल में भी उन्होंने 2 गोल किए थे। 1. स्पेनः डिफेंडिंग यूरो कप चैंपियन-फ़ीफ़ा वर्ल्ड कप 2026 में स्पेन को खिताब का सबसे बड़ा दावेदार माना है। स्पेन के चैंपियन बनने के चांस 16.1फीसदी हैं, जो सभी टीमों में सबसे ज्यादा है। स्पेन इकलौती ऐसी टीम रही, जिसके क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की संभावना 50फीसदी से ज्यादा रही। स्पेन को ग्रुप-एच में उरुग्वे, सऊदी अरब और काबो वर्डी के साथ रखा गया है। टीम ने 2024 यूरो कप जीता था और उसके बाद यूईएफए नेशंस लीग के फाइनल तक पहुंची थी। टीम के स्टार खिलाड़ी लामिन यामल शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने इस सीजन सभी टूर्नामेंट्स में 24 गोल और 17 असिस्ट किए। मिडफील्डर रोड्री चोट से वापसी कर चुके हैं और टीम की कप्तानी करेंगे। फेरान टोरेस शानदार फॉर्म में हैं। मिकेल ओयारजाबाल और मिकेल मेरिनो ने भी क्वालिफिकेशन में अहम भूमिका निभाई थी। वर्ल्ड कप में स्पेन रिकॉर्ड उतना खास नहीं रहा है। 2010 में साउथ अफ्रीका में खिताब जीतने के अलावा स्पेन पिछले 14 वर्ल्ड कप में सिर्फ एक बार ही सेमीफाइनल तक पहुंच सकी है। वहीं यामल की फिटनेस को लेकर भी चिंता बनी हुई है। 2. फ्रांसः लगातार तीसरे वर्ल्ड कप फाइनल की उम्मीद फ्रांस को वर्ल्ड कप 2026 जीतने का दूसरा सबसे बड़ा दावेदार माना है। टीम के खिताब जीतने की संभावना 13फीसदी आंकी गई है। हालांकि, टॉप टीमों में फ्रांस का ग्रुप सबसे कठिन माना जा रहा है। ग्रुप-इ में उसे नॉर्वे, सेनेगल और इराक का सामना करना है। टूर्नामेंट फ्रांस के कोच डिडिएर डेशां के लिए भी खास होगा। 2018 में टीम को वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले डेशां 14 साल तक कोच रहने के बाद वर्ल्ड कप के बाद पद छोड़ देंगे। डेशां 1998 में बतौर खिलाड़ी भी फ्रांस को वर्ल्ड कप जिताने वाली टीम के कप्तान थे। किलियन एम्बाप्पे का बतौर कप्तान पहला वर्ल्ड कप होगा। रियल मैड्रिड के स्टार फॉरवर्ड ने इस सीजन भी शानदार प्रदर्शन किया है। एम्बाप्पे अब जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोजे के 16 वर्ल्ड कप गोल के रिकॉर्ड के करीब पहुंचने की कोशिश करेंगे। एम्बाप्पे अब तक दो वर्ल्ड कप में 12 गोल कर चुके हैं। फ्रांस पिछले सात वर्ल्ड कप में चार बार फाइनल तक पहुंच चुका है। 3. इंग्लैंडः 60 साल का सूखा खत्म करने का मौका-इंग्लैंड के खिताब जीतने की संभावना 11.2फीसदी है। नए कोच थॉमस टचल को अपनी टीम की आक्रामक ताकत पर पूरा भरोसा है। कप्तान हैरी केन शानदार फॉर्म में हैं और टीम की सबसे बड़ी उम्मीद माने जा रहे हैं। केन ने बायर्न म्यूनिख के लिए इस सीजन सभी टूर्नामेंट्स में 61 गोल किए, जबकि क्लब वर्ल्ड कप को जोड़ लिया जाए, तो यह 64 गोल हो जाता है। उन्होंने लगातार दो हैट्रिक के साथ सीजन का अंत

किया और यूरोपियन गोल्डन शू अवॉर्ड भी जीता। इंग्लैंड ने वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन में अपने सभी 8 मैच जीते और एक भी गोल नहीं खाया। टीम यूईएफए क्वालिफायर्स में सभी मैच जीतने और क्लीन शीट रखने वाली इतिहास की केवल दूसरी टीम बनी। इससे पहले 1954 में यूगोस्लाविया ने यह उपलब्धि हासिल की थी। जूड बेलिंघम और डेक्लान राइस जैसे स्टार खिलाड़ियों से सजी इंग्लैंड की टीम पिछले दो यूरो कप में लगातार फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन खिताब जीतने से चूक गई। अब टीम के पास 1966 के बाद पहला वर्ल्ड कप जीतकर 60 साल के ट्रॉफी सूखे को खत्म करने का सुनहरा मौका है। 4. अर्जेंटीनाः मेसी के दम पर लगातार दूसरा खिताब जीतने की चुनौती-डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना को ऑप्टा सुपरकंप्यूटर ने वर्ल्ड कप 2026 का चौथा सबसे बड़ा दावेदार माना है। टीम के खिताब जीतने की संभावना 10.4फीसदी बताई गई है। ग्रुप-ट में ऑस्ट्रिया, अल्जीरिया और जॉर्डन के साथ होने के कारण अर्जेंटीना के लिए शुरुआती दौर आसान माना जा रहा है। अर्जेंटीना की सबसे बड़ी उम्मीद एक बार फिर कप्तान लियोनेल मेसी होंगे। 2022 कतर वर्ल्ड कप में मेसी ने 7 गोल और 3 असिस्ट किए थे। वे वर्ल्ड कप इतिहास के पहले खिलाड़ी बने थे, जिन्होंने एक ही टूर्नामेंट में ग्रुप स्टेज, राउंड ऑफ-16, क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल में गोल किया। 38 साल के मेसी इंटर मियामी के लिए भी लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके साथ स्ट्राइकर लाउतारो मार्टिनेज और जूलियन अल्वारेज जैसे खिलाड़ी टीम के आक्रमण को मजबूत बनाते हैं। टीम के लिए चुनौती यह है कि वर्ल्ड कप खिताब का सफल बचाव करना बेहद मुश्किल माना जाता है। आखिरी बार 1962 में ब्राजील ने लगातार दूसरा वर्ल्ड कप जीता था। 5. पुर्तगालः रोनाल्डो के आखिरी वर्ल्ड कप में खिताब की उम्मीद-पुर्तगाल के खिताब जीतने की संभावना 7फीसदी आंकी गई है। फीफा रैंकिंग में 5वें स्थान पर मौजूद पुर्तगाल को ग्रुप-के में डीआर कांगो, उजबेकिस्तान और कोलंबिया के साथ रखा गया है, जिससे उसके नॉकआउट स्टेज में पहुंचने की संभावना मजबूत मानी जा रही है। पुर्तगाल की सबसे बड़ी ताकत और सबसे बड़ा सवाल दोनों कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो हैं। 41 साल रोनाल्डो अपने करियर का लगभग आखिरी वर्ल्ड कप खेलेंगे और यह एकमात्र बड़ा खिताब है, जो अब तक उनके नाम नहीं है। टीम में रूबेन डायस, बर्नार्डो सिल्वा और रूबेन नेवेस जैसे अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं, जबकि नूनो मेंडेस, वितिन्हा और जोआओ गोम्स जैसे युवा सितारे भी तेजी से उभर रहे हैं। पेड्रो नेटो और राफाएल लियाओ जैसे खिलाड़ी टीम के आक्रमण को और खतरनाक बनाते हैं। कैसे एनालिसिस करता है ऑप्टा सुपरकंप्यूटर? ऑप्टा सुपरकंप्यूटर खेलों के नतीजों की सटीक भविष्यवाणी नहीं करता, बल्कि आंकड़ों के आधार पर अलग-अलग परिणामों की संभावना बताता है। इसके लिए वह टीमों और खिलाड़ियों के हालिया प्रदर्शन, आपसी रिकॉर्ड, टीम की ताकत, खिलाड़ियों की फॉर्म और अन्य महत्वपूर्ण आंकड़ों का विश्लेषण करता है। इसके बाद सुपरकंप्यूटर किसी मैच या पूरे टूर्नामेंट को हजारों बार वर्चुअली खेलकर देखता है और यह गणना करता है कि कौन-सी टीम कितनी बार जीतती है। उदाहरण के लिए, अगर कोई टीम 10,000 सिमुलेशन में 2,500 बार चैंपियन बनती है, तो उसे खिताब जीतने की 25इ संभावना दी जाती है। हालांकि यह सिर्फ एक अनुमान होता है, क्योंकि असली मैचों में मौसम, चोट, दबाव या किसी खिलाड़ी के शानदार प्रदर्शन जैसी अप्रत्याशित चीजें भी नतीजों को बदल सकती हैं।

फुटबॉल वर्ल्डकप में मैक्सिको ने साउथ अफ्रीका को हराया,शकीरा ने ओपनिंग में 'डाई-डाई' सॉन्ग गाया,नाइजीरियाई सिंगर बर्ना बॉय ने भी परफॉर्म किया

मैक्सिको। फुटबॉल वर्ल्ड कप की शुरुआत हो चुकी है।

गुरुवार रात को मैक्सिको में 39 दिन चलने वाले इस टूर्नामेंट की ओपनिंग सेरेमनी हुई। इसमें पॉप स्टार शकीरा और नाइजीरियाई सिंगर बर्ना बॉय ने परफॉर्म किया। दोनों ने मिलकर फ़ीफ़ा का ऑफिशियल सॉन्ग 'डाई-डाई' गाया। करीब 2 घंटे तक चली ओपनिंग सेरेमनी के बाद फ़ीफ़ा प्रेसिडेंट जियानी इन्फेंटिनो ने हॉलीवुड एक्ट्रेस सलमा हाएक की मौजूदगी में वर्ल्ड कप ट्रॉफी पेश की। यहां कोलंबियाई सिंगर जे बलवीन ने भी परफॉर्म किया। इसके बाद मैक्सिको ने ओपनिंग मैच में साउथ अफ्रीका को 2-0 से हराया। फुटबॉल वर्ल्ड कप के खिलाफ प्रदर्शन भी हुआ-वर्ल्ड कप के बीच मैक्सिको में विरोध प्रदर्शन भी जारी रहा। टीचर्स की सैलरी बढ़ाने और बेहतर सुविधाओं की मांग को लेकर लोग सड़क पर उतरे। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि

सरकार सामाजिक समस्याओं को नजरअंदाज कर वर्ल्ड कप आयोजन पर ध्यान दे रही है। अब वर्ल्ड कप के पहले मैच की रिपोर्ट पढ़ें- ओपनिंग मैच के 9वें मिनट में मैक्सिको के जूलियन क्विनोनेस ने गोल किया। इसके बाद 67वें मिनट में स्ट्राइकर राउल जिमेनेज बेहतरीन हेडर लगाकर बढ़त दोगुनी कर दी। मैक्सिको सिटी के एज्टेका स्टेडियम में रेफरी ने 3 रेड कार्ड दिए। साउथ अफ्रीका के स्पेफेलो सिथोले और थेम्बा ज्वाने को रेड कार्ड मिला। वहीं मैक्सिको के सेसर मोंटेस को एक्स्ट्रा टाइम में रेड कार्ड दिखाया गया। जूलियन ने पहला गोल किया-मैक्सिको को बढ़त 9वें मिनट में मिली। साउथ अफ्रीका के कप्तान और गोलकीपर रोनवेन विलियम्स की गलती टीम पर भारी पड़ गई। विलियम्स के बैकपास का फायदा उठाकर जूलियन क्विनोनेस ने टूर्नामेंट का पहला गोल दाग दिया। 44वें मिनट में क्विनोनेस का शॉट गोल पोस्ट से टकराकर बाहर आ गया। दूसरी ओर साउथ अफ्रीका पहले हाफ में अटैक नहीं कर सकी और हाफ टाइम तक 1-0 से पीछे रही। जिमेनेज के गोल से बढ़त दोगुनी हुई-67वें मिनट में मैक्सिको के रोबर्टो अल्वाराडो ने क्रॉस डाला। इस पर स्ट्राइकर राउल जिमेनेज ने हेडर लगाकर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। इस गोल के साथ मैक्सिको ने अपनी बढ़त 2-0 कर ली और मैच अपने नाम कर लिया। जिमेनेज खोपड़ी टूटने के बाद भी नहीं मानी हार, 8 महीने बाद मैदान पर की थी वापसी-मेक्सिको की जीत में टीम का दूसरा गोल करने वाले 35 साल के स्ट्राइकर राउल जिमेनेज का करियर एक समय खतरे में पड़ गया था। नवंबर 2020 में इंग्लिश प्रीमियर लीग के एक मैच के दौरान गेंद के लिए संघर्ष करते हुए उनकी टक्कर आर्सेनल के डिफेंडर डेविड लुइज से हो गई थी। यह टक्कर इतनी भयावह थी कि जिमेनेज मैदान पर ही बेहोश हो गए। उन्हें तत्काल ऑक्सीजन दी गई और अस्पताल ले जाया गया। जांच में पता चला कि उनकी खोपड़ी में फ्रैक्चर हो गया है। उस समय डॉक्टरों को भी संदेह था कि वह दोबारा पेशेवर फुटबॉल खेल पाएंगे या नहीं। गंभीर चोट के कारण जिमेनेज करीब छह महीने तक ट्रेनिंग नहीं कर सके। हालांकि, उन्होंने हार नहीं मानी और लंबी रिकवरी के बाद आठ महीने में मैदान पर वापसी की। सुरक्षा के मद्देनजर वह आज भी मैचों के दौरान एक विशेष सुरक्षात्मक हेडबैंड पहनकर खेलते हैं।मैच में 3 रेड कार्ड-दूसरे हाफ की शुरुआत में साउथ अफ्रीका के मिडफील्डर स्पेफेलो सिथोले को रेड कार्ड मिला। 49वें मिनट में गोल की ओर बढ़ रहे ब्रायन गुटिएरेज को सिथोले ने पीछे से फाउल कर दिया। रेफरी ने इस पर रेड कार्ड दिखा दिया। साउथ अफ्रीका की मुश्किलें यहीं खत्म नहीं हुईं। 84वें मिनट में थेम्बा ज्वाने को वॉयलेंट कंडक्ट के लिए रेड कार्ड दिखाया गया। इसके बाद साउथ अफ्रीका को 9 खिलाड़ियों के साथ मैच खेलना पड़ा।

इंजरी टाइम में मैक्सिको के सेसर मोंटेस को भी गोल करने का मौका रोकने के कारण रेड कार्ड दिखाया गया। दोनों टीमों की स्टार्टिंग प्लेइंग-11-मैक्सिको-राउल रेंगल (कप्तान), सेसर मोंटेस, जोहान वास्केज, इजरायल रेयेस, जीसस गालार्डो, एरिक लीरा, अल्वारो फिडाल्गो, ब्रायन गुटिएरेज, राउल जिमेनेज, जूलियन क्विनोनेस और रोबर्टो अल्वाराडो। साउथ अफ्रीका-रोनवेन विलियम्स (कप्तान), ऑब्रे मोडिबा, मबेकेजेली म्बोकाजी, न्कोसिनाथी सिबिसी, खुलिसो मुदाउ, इमे ओकोन, टेबोहो मोकोएना, स्पेफेलो सिथोले, जेडन एडम्स, लाइल फोस्टर और इकराम रेनर्स।

भारतीय शूटर जसपाल राणा का 49 की उम्र में निधन,एक जून को जर्मनी से लौटते वक्त तबीयत बिगड़ी थी

नयी दिल्ली। भारत के दिग्गज शूटर जसपाल राणा का शुक्रवार

को निधन हो गया है। वे 49 साल के थे। वे दिल्ली के मैक्स साकेत हॉस्पिटल में एडमिट थे। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) के प्रेसिडेंट कालीकेश नारायण सिंह देव ने उनके निधन की पुष्टि की। एक जून की रात को म्यूनिख से लौटते समय फ्लाइट में जसपाल की तबीयत खराब हो गई थी, जहां उन्हें मेडिकल हेल्प दी गई थी। दिल्ली पहुंचते ही जसपाल को मैक्स साकेत हास्पिटल में एडमिट कराया गया। टेस्ट के बाद उन्हें हार्ट में एक स्टेंट डाला गया था। जसपाल राणा पेरिस ओलिंपिक में डबल ओलिंपिक मेडल जीतने वाली निशानेबाज मनु भाकर के कोच थे। वे जूनियर टीम के कोच और हाई परफार्मेंस ट्रेनर थे। जसपाल फरवरी 2025 से 25 मीटर पिस्टल में भारत के हाई परफार्मेंस कोच बनाए गए थे। खिलाड़ी के रूप में जसपाल राणा ने एशियन गेम्स 8 मेडल जीते। इनमें 4 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज शामिल रहे। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में 9 गोल्ड सहित 15 मेडल जीते। इनमें 4 सिल्वर और दो ब्रॉन्ज भी शामिल हैं। बिंद्रा ने लिखा- जसपाल का जाना दुखद-2008 ओलिंपिक में भारत को शूटिंग का पहला गोल्ड मेडल दिलाने वाले अभिनव बिंद्रा ने जसपाल राणा के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा-'जसपाल के निधन की खबर सुनकर दुखी हूं। वे मेरे टीम मेट रहे हैं और भारतीय निशानेबाजी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाली पीढ़ी के अहम सदस्य थे। वह बेहद प्रतिभाशाली और जुनूनी खिलाड़ी थे, जो हर बार रेंज पर उतरते समय देश का गौरव अपने साथ लेकर चलते थे। उनका जाना भारतीय खेल जगत, खासकर निशानेबाजी के लिए बड़ी क्षति है। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों, शिष्यों और उन सभी लोगों के साथ हैं, जिनके जीवन को उन्होंने छुआ और प्रेरित किया।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप जीतने की टॉप-4 दावेदार, ऑस्ट्रेलिया 6 बार की चैंपियन, भारत पिछले साल वनडे वर्ल्डकप जीता; अफ्रीका दो बार फाइनलिस्ट

नयी दिल्ली। विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में 12 टीमें हिस्सा लेंगी। मौजूदा फॉर्म, वर्ल्ड कप रिकॉर्ड, टीम कॉम्बिनेशन और कप्तानी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया, भारत, इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका खिताब की सबसे मजबूत दावेदार नजर आती

हैं।1. ऑस्ट्रेलियाः सातवें खिताब की सबसे बड़ी दावेदार-विमेंस क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया जितनी सफल टीम कोई नहीं रही। टीम ने 9 में से 6 टी-20 वर्ल्ड कप जीते हैं। एलिसा हीली के बाद सोफी मोलिन्यूक्स की कप्तानी में टीम उतरेगी। एलिस पेरी, बेथ मूनी, एश्ले गार्डनर, ताहलिया मैक्ग्रा और मेगन शुट जैसी स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी टीम को मजबूत बनाती है। फैक्टर-1ः 80फीसदी मैच जीतने वाली इकलौती टीम-ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 वर्ल्ड कप में 49 मैच खेले हैं। इसमें 39 जीते और सिर्फ 9 हारे। टीम का जीत प्रतिशत टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 80.6फीसदी है। टी-20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया का हाईएस्ट स्कोर 191 रहा है। फैक्टर-2ः 2025-26 में सिर्फ 2 मैच हारी-पिछले डेढ़ साल में ऑस्ट्रेलिया ने 12 में से 10 टी-20 मुकाबले जीते हैं। लेकिन हाल के आईसीसी टूर्नामेंट्स में टीम अपने ताकत के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी। 2025 वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में उसे भारत के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। वहीं 2024 टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका ने उसे बाहर कर दिया था। फैक्टर-3ः नई कप्तान, लेकिन पुराना दम-सोफी मोलिन्यूक्स का यह पहला बड़ा आईसीसी टूर्नामेंट है। उन्होंने अब तक 6 मैचों में कप्तानी की है। इसमें 4 जीत और 2 हार मिली है। उनकी कप्तानी में टीम ने अपना पांचवां सबसे बड़ा टोटल 211 रन बनाया है। 2. भारतः वनडे के बाद अब टी-20 ट्रॉफी पर नजर-भारत ने 2025 में पहली बार वनडे वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचा था। अब हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर लगातार दो आईसीसी खिताब जीतने वाली टीम बनना चाहेगी। ऐसा अब तक सिर्फ ऑस्ट्रेलिया ही कर पाया है। फैक्टर-1ः 2020 में फाइनल, कुल 55फीसदी मैच जीते-भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में 40 मैच खेले हैं। इनमें 22 जीत और 18 हार मिली हैं। टीम का जीत पर्सेंटेज 55 है। भारत 2020 में फाइनल और 2018 व 2023 में सेमीफाइनल तक पहुंची थी। फैक्टर-2ः पिछले डेढ़ साल में सबसे ज्यादा जीत-भारत ने 2025-26 में 21 टी-20 खेले और 12 जीते। यह चारों दावेदारों में सबसे ज्यादा जीत है। हालांकि टीम को इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका दौरे पर सीरीज हार का सामना भी करना पड़ा। दूसरी ओर भारत ने घर में श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया को हराया। फैक्टर-3ः हरमनप्रीत ने 57फीसदी मैच जिताए-हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत ने 81 टी-20 मैच जीते हैं। वहीं विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में 19 मैच खेले हैं, जिनमें 13 जीते और 6 हारे हैं। टीम की सबसे बड़ी उम्मीद स्मृति मंधाना होंगी, जिन्होंने पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाए थे। ऋचा घोष, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा और रेणुका सिंह जैसी खिलाड़ी भारत को संतुलन देती हैं। 3. इंग्लैंडः घरेलू मैदान पर 17 साल बाद ट्रॉफी की उम्मीद-2009 में पहला विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली इंग्लैंड टीम उसके बाद खिताब नहीं जीत सकी है। 2012, 2014 और 2018 में टीम रनरअप रही हैं। फैक्टर-1ः 75फीसदी मैच जीतकर दूसरी सबसे सफल टीम-इंग्लैंड ने टूर्नामेंट में 42 मैच खेले हैं। इनमें 31 जीते और 10 हारे। टीम का जीत प्रतिशत 75फीसदी है। यह ऑस्ट्रेलिया के बाद दूसरा सबसे बेहतर रिकॉर्ड है। फैक्टर-2ः न्यूजीलैंड और भारत को हराया-इंग्लैंड ने हाल ही में न्यूजीलैंड और भारत दोनों को 2-1 से हराया। खास बात यह रही कि कप्तान नैट सिवर-ब्रंट की गैरमौजूदगी में भी टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। एलिस कैप्सी, सोफी एक्लेस्टोन, चार्ली डीन और हीदर नाइट जैसे खिलाड़ी शानदार लय में हैं। इंग्लैंड ने 1 जनवरी 2025 के बाद 17 टी-20 मुकाबले खेले हैं। इनमें 9 जीते और 8 हारे हैं। टीम का जीत प्रतिशत 52.94फीसदी रहा है। फैक्टर-3ः 69फीसदी जीत का रिकॉर्ड-नैट सिवर-ब्रंट को इंग्लैंड के एक डोमेस्टिक टूर्नामेंट के दौरान चोट लगी थी। हालांकि वे फिट हो गई हैं और टूर्नामेंट में टीम की कप्तानी करेंगी। उनकी कप्तानी में इंग्लैंड ने 16 टी-20 में से 11 जीते हैं। बल्लेबाजी और ऑलराउंड क्षमता के कारण वे टीम की सबसे बड़ी ताकत हैं। 4. साउथ अफ्रीकाः लगातार फाइनल के बाद अब ट्रॉफी की बारी? साउथ अफ्रीका ने पिछले दो टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल खेले हैं, लेकिन ट्रॉफी नहीं जीत सकी। टीम 2023 में ऑस्ट्रेलिया और 2024 में न्यूजीलैंड से हार गई थी। फैक्टर-1ः 39 मैच में 18 जीते-साउथ अफ्रीका ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के 39 मैचों में 18 जीत हासिल की हैं। जीत प्रतिशत सिर्फ 46फीसदी है, लेकिन हाल में टीम ने आईसीसी टूर्नामेंट्स में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। फैक्टर-2ः 2025-26 में 56फीसदी मैच जीते-साउथ अफ्रीका ने 1 जनवरी 2025 के बाद 18 टी-20 मुकाबले खेले हैं। इसमें 10 जीते और 8 हारे हैं। टीम का जीत प्रतिशत 55.56फीसदी रहा है। इस दौरान उसने 220 रन का बेस्ट स्कोर बनाया और भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज में 4-1 से जीत दर्ज की। फैक्टर-3ः वोल्वार्ट ने 50फीसदी से ज्यादा मैच जीते-वोल्वार्ट की कप्तानी में साउथ अफ्रीका ने 21 टी-20 मैच जीते हैं। वहीं टी-20 वर्ल्ड कप में 6 में से 4 मुकाबले अपने नाम किए हैं। वोल्वार्ट की कप्तानी में साउथ अफ्रीका ने वनडे वर्ल्ड कप का फाइनल खेला था। उन्होंने सेमीफाइनल और फाइनल में शतक लगाया था। वे टूर्नामेंट की टॉप स्कोरर भी रहीं थीं। टीम में मरिजान कैप, सुने लुस, क्लो ट्रायन और डेन वान नीकर्क जैसी खिलाड़ी हैं। शबनम इस्माइल की वापसी ने बॉलिंग अटैकिंग को और मजबूत किया है।

क्या कांग्रेस से टूटकर बने दलों को उसमें लौट आना चाहिए?

भारतीय सिनेमा में सीक्वेल शायद ही सफल होते हैं। आमतौर पर दर्शक मूल फिल्म देख चुके होते हैं, नयापन खत्म

हो जाता है और कहानी बासी लगने लगती है। इसीलिए 'इंडिया-2.0' का फिर से साथ आना बमुश्किल ही यह भरोसा जगाता है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को अप्रत्याशित चुनौती देने वाला गठबंधन आसानी से वही प्रदर्शन दोहरा सकता है। पिछले दो वर्षों में बहुत कुछ बदल चुका है। कांग्रेस को कई बड़े राज्यों में चुनावी झटके लगे हैं। गठबंधन की ताकत रहे कई क्षेत्रीय दल कमजोर हो चुके। बंगाल में हार के बाद टीएमसी बिखर रही है। महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) भी टूट चुकी हैं। दिल्ली हारने के बाद आम आदमी पार्टी खुद को प्रासंगिक बनाए रखने की जंग लड़ रही है। ऐसे में 'इंडिया' साझा दृष्टिकोण पर साथ आई ताकतों की एकजुटता जैसा कम और 2029 में किसी भी कीमत पर भाजपा को रोकने के लिए बने जमावड़े जैसा ज्यादा लगता है। समस्या यह है कि राजनीति अंकगणित ही नहीं, केमिस्ट्री का भी खेल है। भले गठबंधन बंद कमरों में बनाए जा सकते हों, लेकिन वोटर अवसरवादिता को भांप लेते हैं। दो महीने पहले राहुल गांधी टीएमसी पर भ्रष्टाचार और अंदरखाने भाजपा से समझौता करने का आरोप लगा रहे थे। क्या वही नेता अब एक मंच पर आकर यह उम्मीद कर सकते हैं कि वोटर इन विरोधाभासों को नजरअंदाज कर देंगे? ऐसे विरोधाभास हर जगह हैं। तमिलनाडु में हार के बाद अपनी उपेक्षा को लेकर डीएमके कांग्रेस से नाराज है। आम आदमी पार्टी भी पंजाब में अपनी मुख्य प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के साथ मंच साझा करने के लिए ज्यादा उत्सुक नहीं दिखती। केरल चुनाव में कांग्रेस के हमलों से वामदल भी नाराज हैं। ऐसे में शायद ही यह किसी एकजुट राजनीतिक विकल्प की तस्वीर नजर आती है। इसके विपरीत, भाजपा में स्पष्टता है। वोटर जानते हैं पार्टी के सिद्धांत क्या हैं और अंतिम निर्णय का अधिकार किसके पास है। भाजपा का वर्चस्व इस कारण भी स्थापित हुआ है कि विपक्ष बिखरा हुआ, अनिश्चित और आंतरिक संघर्षों में उलझा नजर आता है। भारतीय राजनीति की सबसे दिलचस्प बातों में से एक यह है कि कई मौजूदा क्षेत्रीय दल कांग्रेस से ही निकले हैं। टीएमसी, एनसीपी और वाईएसआर कांग्रेस- इन सभी की जड़ें कांग्रेस में हैं। इनके नेता नेतृत्व विवाद, राजनीतिक महत्वाकांक्षा या क्षेत्रीय मजबूरियों के चलते कांग्रेस से अलग हुए, लेकिन व्यापक रूप से ये दल समान वैचारिक परिवेश का हिस्सा बने हुए हैं। ये पार्टियां आज भी अपने नाम और राजनीतिक पहचान में कांग्रेस की छाप लिए हुए हैं। पिछले चार दशकों में कांग्रेस परिवार कई क्षेत्रीय दलों में बिखर गया। नतीजतन, भाजपा विरोधी वोट बंटते चले गए। तो क्यों न एक और बिखरा हुआ भाजपा-विरोधी गठबंधन बनाने के बजाय कांग्रेस से निकली इन शाखाओं को सियासी तौर पर फिर से संगठित करने के रास्ते तलाशे जाएं? एक विलय, या कम से कम पारस्परिक समन्वय पर आधारित व्यवस्थित एकजुटता चुनाव से चंद महीने पहले बनाए गए किसी नए गठबंधन की तुलना में कांग्रेस को अधिक ऊर्जा दे सकती है। इससे विपक्ष की राजनीति में मजबूत केंद्रीय धुरी बनेगी और कांग्रेस छोटे सहयोगियों से कमजोर स्थिति में नहीं, ताकत के साथ बातचीत कर सकेगी। आज यह विचार अव्यावहारिक लग सकता है। लेकिन राजनीति का इतिहास उम्मीदों के परे लगने वाली ऐसी री-यूनियन की घटनाओं से भरा है। खुद भाजपा ही व्यापक संघ परिवार के दशकों लंबे एकीकरण का परिणाम है। तो कांग्रेस परिवार स्थायी तौर पर विखंडित क्यों रहे? हालांकि, ऐसी किसी सफलता के लिए कांग्रेस को भी बदलना पड़ेगा। क्षत्रपों की वापसी के लिए जरूरी होगा कि कांग्रेस नेतृत्व सत्ता और अधिकार साझा करने की मंशा दिखाए। क्षेत्रीय नेताओं को भी व्यक्तिगत अहंकार, पारिवारिक हितों और अल्पकालिक सियासी गुणा-भाग से ऊपर उठना होगा।

यह मुमकिन नहीं कि कोई नेता अपनी दशकों पुरानी पहचान खोकर दिल्ली का महज एक दरबारी बनना चाहेगा, लेकिन यह भी संभव नहीं कि हर क्षेत्रीय नेता अपने घटते जनाधार के बावजूद राष्ट्रीय राजनीति में 'किंगमेकर' बने रहने की उम्मीद करे। एक और बिखरा हुआ गठबंधन बनाने के बजाय कांग्रेस से निकली शाखाओं को सियासी तौर पर फिर से संगठित करने के रास्ते क्यों न तलाशे जाएं? विलय या समन्वय पर आधारित एकजुटता कांग्रेस को अधिक ऊर्जा दे सकती है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,राजदीप सरदेसाई)

एआई की गति इतनी तेज है कि हम उससे पिछड़ रहे हैं

'द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स' की एक उपकथा में दो हॉबिट्स अपने

जंगल की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। वे इसके लिए एक ट्री-बीयर्ड से अनुरोध करते हैं। ट्री-बीयर्ड एक बुद्धिमान किंतु अत्यंत धीमी गति से काम करने वाला वृक्ष है। समस्या यह थी कि जहां एक पूरी सेना जंगल को काटकर नष्ट कर रही होती है, वहीं ट्री-बीयर्ड का समय-बोध बहुत धीमा होता है। उसे किसी दूसरे वृक्ष को 'हेलो' कहने में ही पूरा दिन लग जाता था, इसलिए उसे और उसके साथियों को इतनी त्वरित कार्रवाई के लिए तैयार करना लगभग असंभव था। एआई और हमारे राजनीतिक संगठनों का रिश्ता भी कुछ-कुछ हॉबिट्स और ट्री-बीयर्ड जैसा लगता है। एआई अत्यंत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। महज चार वर्ष पहले तक एआई मॉडल मुश्किल से एक सही कोड-पंक्ति लिख पाते थे, लेकिन आज प्रमुख एआई कंपनियों में अधिकांश कोड वे ही लिख रहे हैं। इसी प्रकार की प्रगति जीव-विज्ञान, भौतिकी, गणित, वित्त, विधि, अनुवाद और अनेक अन्य क्षेत्रों में भी देखी गई है। एआई के स्केलिंग नियमों को अब एक दशक से अधिक के अनुभवजन्य प्रमाणों का समर्थन प्राप्त है। यदि ये स्केलिंग नियम केवल एक-दो वर्ष और जारी रहते हैं, तो संभवतः हम उस अवस्था तक पहुंच जाएंगे, जिसे मैंने 'पावरफुल एआई' कहा है। इसके विपरीत, नीतियां और कानून बनाने की गति अत्यंत धीमी है। कई बार इसके उचित कारण भी होते हैं। सरकारों के पास गंभीर और व्यापक शक्तियां होती हैं, और सामान्यतः यह बेहतर माना जाता है कि उनका उपयोग जल्दबाजी में न किया जाए। किंतु टाइमस्केल का यह असंतुलन तकलीफदेह है। कई वर्षों में संसद कोई निर्णय लेती है, वहीं उतने समय में एआई प्रतिभाओं से भरे एक पूरे देश की क्षमताओं तक पहुंच जाता है! पिछले कुछ वर्षों में- जब से एआई एक प्रमुख कॉमर्शियल टेक्नोलॉजी के रूप में उभरी है- हममें से कई लोग जो इसे जिम्मेदाराना ढंग से संचालित करना चाहते थे, एक दुविधा का सामना कर रहे थे। हम स्पष्ट रूप से देख पा रहे थे कि यह तकनीक किस दिशा में जा रही है। हमें लग रहा था कि कुछ ही वर्षों में एआई उन दुर्लभ टेक्नोलॉजी में से एक बन जाएगी, जो पूरे नीतिगत परिदृश्य को मौलिक रूप से बदल देती हैं- ठीक वैसे ही जैसे परमाणु हथियारों ने भू-राजनीति को बदल दिया था और औद्योगिक क्रांति ने आर्थिक प्रश्नों की प्रकृति को बुनियादी तौर पर रूपांतरित कर दिया था। लेकिन जो लोग उस समय एआई की क्षमताओं को देख रहे थे, उन्हें यह कहीं अधिक साधारण तकनीक लगती थी- शायद किसी नए कंज्यूमर ऐप या क्रिप्टोकरेंसी की तरह। अधिकांश नीति-निर्माताओं और कंपनियों को यह विश्वास दिलाना कठिन था कि मुक्त-बाजार आधारित दृष्टिकोण के अलावा भी कोई और नीति उचित हो सकती है।

सच कहें तो एआई के व्यापक प्रभाव उस समय तक उपस्थित भी नहीं थे, और हम यह भी नहीं जानते थे कि वे किस रूप में सामने आएंगे। इसलिए सही नीतियां बनाना कठिन था।

लेकिन इन सीमाओं को देखते हुए सेफ्टी पर फोकस करने वाले संगठनों (जिनमें एन्थ्रोपिक भी शामिल है) ने ऐसी नीतिगत पहलों पर ध्यान केंद्रित किया है, जो भविष्य के विकल्पों को सुरक्षित रखें, आगे चलकर तीव्र प्रतिक्रिया देने की क्षमता विकसित करें, या दुनिया को इस बात की बेहतर समझ दें कि आगे क्या आने वाला है- जैसे पारदर्शिता संबंधी कानून, चिप निर्यात नियंत्रण और एआई के श्रम-बाजार पर प्रभावों से संबंधित डेटा का संग्रह। माना कि ये उपाय नाकाफी हैं, लेकिन अब तक तो यही कदम ऐसे मालूम होते हैं, जिन्हें वास्तव में संभव बनाया जा सकता था। हालांकि पिछले कुछ महीनों में एआई की असाधारण शक्ति और उससे जुड़े जोखिमों के प्रमाण इतने स्पष्ट हो गए हैं कि अब उन्हें नजरअंदाज करना संभव नहीं रहा। शायद इसका सबसे प्रतीकात्मक उदाहरण क्लॉड मायथोस प्रिव्यू है। अब हम जानते हैं कि अग्रणी एआई मॉडल साइबर सुरक्षा के लिए वास्तविक और गंभीर जोखिम उत्पन्न करते हैं, जिससे वित्तीय क्षेत्र, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों और राष्ट्रीय सुरक्षा में व्यवधान की संभावनाएं पैदा हो सकती हैं। वास्तव में, मायथोस ने वैश्विक साइबर सुरक्षा परिदृश्य को झकझोर दिया है। लेकिन इसने यह भी सिद्ध कर दिया कि एआई मॉडल अब रणनीतिक महत्व के उपकरण बन चुके हैं।

अब हमें ऐसे नीतिगत तंत्र को सक्रिय करना होगा, जो आने वाले समय के जोखिमों का सामना कर सके। यह उत्साहजनक है कि हमारे अनेक समकालीन भी अब उन दृष्टिकोणों की ओर आ रहे हैं, जिनकी वकालत हम पिछले कुछ वर्षों से करते रहे हैं।

हमें कुछ जरूरी बिंदुओं पर फोकस करना होगा, जैसे सार्वजनिक सुरक्षा और एआई रेगुलेशंस, इससे जुड़ी मैक्रो-इकोनॉमिक्स और टैक्स नीतियां और एआई के सकारात्मक प्रभावों को बढ़ाना। समय कम है, हमें फुर्ती दिखानी होगी। (darioamodei.com से साभार,डारियो अमोदेई)

अंतिम निर्णय लेना हमेशा 'कैप्टन' की जिम्मेदारी होती है

15 जनवरी 2009 की दोपहर कैप्टन चेस्ली 'सली' सलेनबर्गर और फर्स्ट ऑफिसर

जेफ स्काइल्स न्यूयॉर्क के ला-गार्डिया एयरपोर्ट से यूएस एयरवेज फ्लाइट 1549 में सवार हुए। उड़ान भरने के तीन मिनट बाद लगभग 2,800 फीट (850 मीटर) की ऊंचाई पर एयरबस ए320 पक्षियों के झुंड से टकरा गई। इससे दोनों इंजन क्षतिग्रस्त हो गए। हालांकि उन्हें वापस लौटने या समीप के किसी एयरपोर्ट पर उतरने की सलाह दी गई थी, लेकिन अपने दशकों के अनुभव से कैप्टन को लगा कि विमान के पास न पर्याप्त गति बची है और न ही ऊंचाई। उन्होंने तत्काल फैसला किया और स्टैंडर्ड प्रोटोकॉल का पालन न करते हुए मन की बात मानी। अधिक सोच-विचार किए बिना उन्होंने बर्फीली हडसन नदी पर इमरजेंसी कंट्रोल्ड वाटर लैंडिंग (डिचिंग) का निर्णय किया। उस निर्णय में उन्होंने सच में अपनी और सभी यात्रियों की जिंदगी दांव पर लगा दी थी। सभी 155 यात्री और क्रू सदस्य बच गए। अगले दिन मैंने इसी वास्तविक घटना पर बेंगलुरु में डीएनए अखबार में संपादकीय भी लिखा। जहां यात्री और उनके परिवार सली को हीरो मान रहे थे, वहीं बीमा लॉबी उनके कृत्य को गलती साबित करने की कोशिश कर रही थी। आखिरकार अदालत में सली जीत गए। 2016 में इस वास्तविक घटना पर एक फिल्म 'सली' भी बनी। मुझे नहीं पता था कि इस मंगलवार, यानी 9 जून को मैं यही वास्तविक कहानी कुछ यात्रियों को लाइन-दर-लाइन सुनाऊंगा, वह भी पांच घंटे तक एक विमान में बैठे हुए। मंगलवार को दोपहर 3.50 बजे फ्लाइट नंबर 6ई 5131, जो एक एयरबस 321 नियो (रजिस्ट्रेशन नंबरः वीटी-एनएचएन) थी, 221 यात्रियों के साथ मुंबई के छत्रपति शिवाजी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 से अपने शेड्यूल टाइम पर रवाना हुई। कुछ यात्रियों ने खुशी जताई कि 'वाह, हम समय पर हैं।' यह सिर्फ नियमित यात्रियों के लिए ही नहीं, बल्कि कैप्टन गौरव और उनके सेकंड-इन-कमांड आशीष के लिए भी सामान्य दिन ही था। विमान धीरे-धीरे टर्मिनल-1 के सबसे दूर वाले छोर से टर्मिनल-2 के दूसरे सिरे की ओर बढ़ा और एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से रन-वे पर प्रवेश की अंतिम मंजूरी मिलने का इंतजार करने लगा, ताकि भोपाल पहुंचने के लिए टेक-ऑफ कर सके। यात्रियों के लिए विमान की दायीं तरफ की खिड़कियों से इस इंतजार वाली जगह को देखना काफी रोमांचक था। इसी जगह पर महज एक मिनट के अंतराल में एक के बाद एक कई विमान उतरते दिखते हैं और साथ ही विमान के पीछे के छोर पर विमान एक के पीछे एक कतार में खड़े नजर आते हैं, जैसे बंपर-टु-बंपर ट्रैफिक में कारें खड़ी होती हैं। शाम 4.03 बजे एटीसी ने क्लीयरेंस दी और पायलट ने राइट टर्न लेकर विमान को सफेद पेंट से मार्क की गई जगह पर कुछ सेकंड के लिए खड़ा कर दिया ताकि इंजन को थ्रॉटल देकर अधिकतम स्पीड हासिल कर सके। विमान मुख्य रनवे पर तेजी से आगे बढ़ने लगा। अगले 5-7 सेकंड में उसका अगला थ्रॉटल बंद कर दिया और टेक-ऑफ टाल दिया। प्लेन के अचानक रुकने से यात्रियों की गर्दनों में झटके लगे, लेकिन कोई घायल नहीं हुआ। हालांकि केबिन में भय की लहर दौड़ गई। कैप्टन ने तत्काल विमान को पार्किंग-बे तक पहुंचाया। शायद एटीसी ने ऐसे निर्देश दिए थे, ताकि व्यस्त हवाई यातायात बाधित न हो। एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरों की टीम ने संदिग्ध खराबी की जांच शुरू कर दी। दूसरी बार टेक-ऑफ से करीब दो घंटे पहले कैप्टन पैसेंजर एड्रेसिंग सिस्टम पर आए और कहा कि 'तकनीकी दिक्कतों की वजह से हमें ये फैसला लेना पड़ा, क्योंकि सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है।' और वे बिल्कुल सही थे। फंडा यह है कि अगर आप किसी भी चीज के कैप्टन हैं तो बगैर यह सोचे कि 'लोग क्या कहेंगे', आपको ही अंतिम फैसला लेना होगा। क्योंकि उस फैसले से जिंदगियां जुड़ी होती हैं। एन. रघुरामन

एआई की दुनिया में असलियत में लोगों से मिलना अब भी फायदेमंद है

'गूगल एयरपोर्ट पर रो रहे बच्चे को कैसे संभालें?' यह सवाल उन क्रिकेटप्रेमियों को जाना-पहचाना लगेगा, जिन्होंने हाल ही में आईपीएल मैच देखे थे। इससे शायद आपको ओपनएआई के चैटजीपीटी वाले उस विज्ञापन की याद आए, जिसमें फ्लाइट लेट होने की वजह से दो लोग एयरपोर्ट पर फंसे हैं। समय बिताने को वे वॉइस कमांड से खेलों पर मजेदार बहस करते हैं। क्रिकेट को लेकर उनकी नोकझोंक चल ही रही होती है कि पीछे एक बच्चा जोर-से रोने लगता है। खेल की बहस से हटकर लड़की बॉयफ्रेंड की ओर देखती है और वही सवाल पूछती है। लड़का सोचता रह जाता है कि भला यह कैसा सवाल है और यहीं विज्ञापन समाप्त हो जाता है। ऐसी दुनिया में, जहां हर कोई एआई असिस्टेंट इस्तेमाल कर रहा है, डॉक्टरों को भी पीछे नहीं रहना चाहिए। आखिरकार, उनके लिए कोई दो दिन एक समान नहीं होते। हर नया दिन, नए मरीज और नई समस्याएं लाता है। पश्चिमी देशों से आई खबरें बताती हैं कि डॉक्टरों के बीच ओपनएविडेंस एआई ऐप तेजी से लोकप्रिय हो गया है, जो मेडिसिन क्षेत्र का चैटबॉट है। विकसित देशों में ज्यादातर डॉक्टर खास मेडिकल सवाल पूछने या डायग्नोस्टिक के बारे में आइडिया शेयर करने के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। सिर्फ मई में ही उन्होंने 3 करोड़

सवालों और कंसल्टेशन्स के लिए इसका इस्तेमाल किया। ओपनएविडेंस इस क्षेत्र में फ्रंट-रनर बन गया, क्योंकि वह अपने एआई मॉडलों को प्रशिक्षित करने के लिए केवल मेडिकल जर्नल और हाई-क्वालिटी रिसर्च डेटा का उपयोग करता है। सबसे संभावित डायग्नोसिस की समरी बताता है और उन अन्य महत्वपूर्ण डायग्नोसिस के बारे में भी बताता है, जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। हर समरी के साथ मूल रिसर्च आर्टिकल्स के लिंक भी देता है। एआई निश्चित ही मेडिसिन में लंबे समय से व्याप्त समस्याओं को हल कर रहा है। फिर भी मेडिकल विशेषज्ञ मानते हैं कि शुरुआती उत्साह के साथ अत्यधिक सावधानी भी होनी चाहिए। मेडिसिन जैसे अत्यधिक संवेदनशील क्षेत्र में किसी ऐप को इतनी तेजी से अपनाए जाने ने मेडिकल पेशेवरों में यह चिंता बढ़ा दी है कि तकनीक कब और कैसे इस्तेमाल करनी चाहिए। यह उन दिनों की याद भी दिलाता है कि कैसे युवा डॉक्टरों से बड़े अस्पतालों में काम शुरू कराया जाता था। वर्षों पहले नए डॉक्टरों को पैथोलॉजी और रेडियोलॉजी जैसे छोटे विभागों में एक हफ्ता या अधिक समय बिताने को कहा जाता था। इसलिए नहीं कि उन्हें इन विभागों के कामकाज की जानकारी नहीं होती थी, बल्कि उन्हें अनुभव कराया जाता था कि किसी चुनिंदा अस्पताल में ये विभाग कैसे काम करते हैं। पैथोलॉजिस्ट डायग्नोसिस की पुष्टि के लिए अकसर अलग-अलग जांच पद्धति इस्तेमाल करते हैं। मसलन, वे शुरुआती पॉजिटिव या निगेटिव जांच के लिए पहले रैपिड स्क्रीनिंग टेस्ट करते हैं, फिर निर्णायक और मापने योग्य परिणामों के लिए उन्नत तकनीक का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए डॉक्टरों को यह समझना जरूरी होता है कि उनकी लिखी गई जांचें किस प्रक्रिया से गुजरती हैं। एक ही नमूने की 20 बार जांच करने पर स्टैंडर्ड डेविएशन, इक्विपमेंट कैलिब्रेशन और इस्तेमाल हुए रसायनों (रिएजेंट्स) के कारण आंकड़ों में मामूली अंतर आ सकता है। जब डॉक्टर यह समझते हैं कि पैथोलॉजी विभाग कैसे काम करता है, तो वे मरीज के हित में बेहतर फैसले कर पाते हैं। पुराने दौर में डॉक्टर सीधे इंटरकॉम उठा कर पैथोलॉजिस्ट से पूछ लेते थे कि टेस्ट कैसे किया और परिणामों में अंतर क्यों आया। दुर्भाग्य से आज बड़े अस्पतालों में पहले ही दिन से काम का दबाव इतना होता है कि युवा डॉक्टरों को शायद ही इन विभागों में ले जाया जाता हो। भारत में भी मैंने कई डॉक्टरों को शुरुआती जानकारी के लिए एआई इस्तेमाल करते देखा है। कुछ डॉक्टरों के पास मरीज की क्विक मेडिकल समरी तैयार करने वाले पेड वर्जन भी हैं, लेकिन फिर भी सटीक निदान के लिए वे बहुत हद तक इंसानी सहयोग पर ही भरोसा करते हैं। फंडा यह है कि निस्संदेह एआई जानकारी का एक समंदर सामने रख देता है, लेकिन लोगों से मिलना और असल जिंदगी की परिस्थितियों से सीखना आज भी हमें बेहतर जानकारी रखने वाला इंसान बनाता है। त्वरित नॉलेज ट्रांसमिशन के लिए एआई भविष्य का बेहतर टूल होगा, लेकिन वह अतिरिक्त सहायक के तौर पर रहना चाहिए, ह्यूमन इंटेलिजेंस और आपसी सहयोग का विकल्प बनकर नहीं। एन. रघुरामन

क्या ईरान से गुपचुप तेल खरीद रहा है भारत! आख़िर क्यों भारतीय क्रू वाले जहाजों पर लगातार मिसाइल मार रहा अमेरिका

वॉशिंगटन/तेहरान। ओमान की खाड़ी से गुजर रहे जहाज पर अमेरिकी हमले की आई तस्वीर,सेटेबेलो नाम के इस

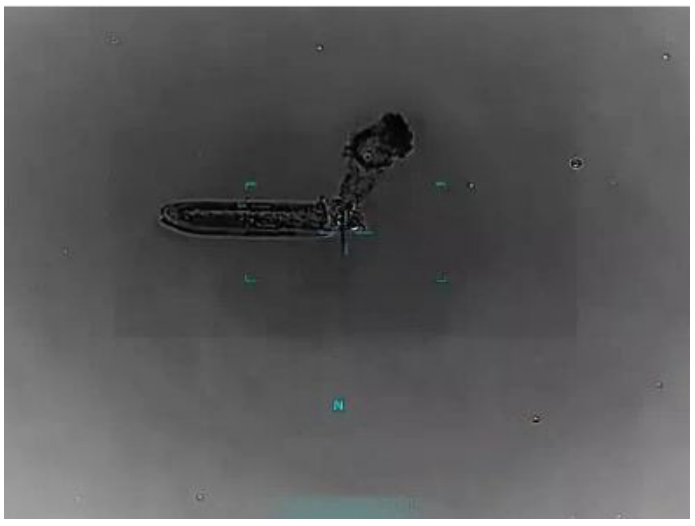

जहाज पर सवार 24 क्रू मेंबर्स भारतीय थे। इनमें से 3 की मौत हो चुकी है। 8 जून और 11 जून को भी अमेरिका ने भारतीय क्रू मेंबर्स वाले जहाजों पर हमले किए हैं। पहला हमला 8 जून की दोपहर करीब 2:15 बजे हुआ. ओमान की खाड़ी में पलाऊ का झंडा लगा एम/टी मैरिवेक्स नाम का टैंकर गुजर रहा था। इसमें सवार चालक दल के सभी 24 सदस्य भारतीय थे। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (केंटकॉम) के मुताबिक, अमेरिकी एयरक्राफ्ट यूएसएस अब्राहम लिंकन से अमेरिका के ए-18 सुपर हॉर्नेट लड़ाकू विमान ने उड़ान भरी। विमान ने मैरिवेक्स जहाज के इंजीनियरिंग और स्टीयरिंग कंपार्टमेंट पर सटीक गोलाबारी की। जहाज में पानी भरने लगा। डूबते जहाज से एक भारतीय नाविक ने रेडियो पर गुहार लगाई- 'सर, ये मोटर टैंकर मैरिवेक्स है। जहाज डूब रहा है। अमेरिकी नेवी ने इंजन रूम में मिसाइल से हमला किया है। प्लीज हेल्पष्ठ प्लीज हेल्पष्ठ प्लीज हेल्प।' फिर एक और आवाज आई- 'सभी 24 क्रू सदस्य भारतीय हैं। प्लीज जल्दी मदद करो।' ओमान के मिलिट्री हेलीकॉप्टरों और इंडियन कोस्ट गार्ड्स की मदद से जहाज पर मौजूद सभी 24 क्रू मेंबर्स को सुरक्षित निकाल लिया गया। दूसरा हमला 10 जून की सुबह करीब 9 बजे हुआ-ओमान की खाड़ी से 'एमटी सेटेबेलो' नाम का जहाज गुजर रहा था। इसमें भी पलाऊ का झंडा लगा था। इसमें सवार 28 में से 24 क्रू मेंबर्स भारतीय थे। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड केंटकॉम ने एक्स पर बताया, 'जहाज के क्रू ने बार-बार अमेरिकी सेना के निर्देशों का उल्लंघन किया। इसके बाद एक अमेरिकी एयरक्राफ्ट ने प्रिसीशन म्यूनिशन (मिसाइल वगैरह) से जहाज के इंजन रूम पर सटीक गोलाबारी की।' ब्रिटिश मैरीटाइम सिक्योरिटी कंपनी वैनगार्ड टेक ने कहा कि सेटेबेलो से इमरजेंसी मैसेज भेजकर बताया कि उसके इंजन रूम में मिसाइल अटैक किया गया है। शिपिंग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने इसमें सवार 3 भारतीय क्रू मेंबर्स की मौत की पुष्टि की। बाकी को रेस्क्यू कर लिया गया है। नाविकों के अधिकारों पर काम करने वाले फॉरवर्ड सीमेन यूनियन ऑफ इंडिया, एफएसयूआई के महासचिव मनोज यादव ने बताया कि मृतकों में डेक कैडेट आदित्य शर्मा, इंजन फिटर शिवानंद चौरसिया और चीफ इंजीनियर पटनाला सुरेश हैं।' मनोज यादव कहते हैं, टैंकर खाली था और वो कहीं भी जा नहीं रहा था। थर्मल इमेज से पता चल रहा है कि टैंकर का प्रोपलर चल नहीं रहा था। अटैक से पहले कोई वार्निंग भी नहीं दी गई। खड़े टैंकर पर अटैक बेहद गंभीर मसला है और ये क्रू मेंबर्स के लिए खतरनाक सिचुएशन है।' तीसरा हमला 11 जून की दोपहर हुआ-ओमान तट के पास 20 भारतीय नाविकों वाले एक टैंकर एमटी जलवीर पर हमला हुआ। केंटकॉम के मुताबिक, 'गिनी-बिसाऊ के झंडे वाले इस जहाज पर ईरानी तेल ले जाने का आरोप था। अमेरिकी विमान ने जहाज के इंजन वाले हिस्से पर दो हेलफायर मिसाइल दागीं।' जिस ऑपरेशन में भारतीय नाविकों को निशाना बनाया गया, उसे उपलब्धि बताते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा- 'मेरी वजह से 10 करोड़ बैरल तेल होर्मुज स्ट्रेट से निकलकर दुनिया के बाजार में पहुंचा। क्योंकि उसे हम कंट्रोल कर रहे हैं, ईरान नहीं।' सवाल-2: भारतीय क्रू वाले जहाजों पर हमले की वजह क्या है?जवाबः 28 फरवरी को जंग शुरू होने के बाद ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट बंद कर दिया था। उसने समुद्र में माइन्स बिछाईं। जहाजों पर हमले किए। इससे दुनिया

के करीब 20फीसदी तेल की सप्लाई ठप पड़ गई। होर्मुज खुलवाने की सारी कोशिश नाकाम होने के बाद अमेरिका ने 13 अप्रैल को होर्मुज स्ट्रेट के बाहर ओमान की खाड़ी में दोहरी नाकेबंदी लगा दी। अमेरिकी सेना ईरान के बंदरगाहों से आने-जाने वाले जहाजों को रोकने लगी। जो जहाज अमेरिकी नाकेबंदी का पालन नहीं करता, उन पर हमले भी किए जाते हैं। अमेरिका का दावा है कि 13 अप्रैल से अब तक उसने 9 जहाजों पर कार्रवाई की है, 135 जहाजों का रास्ता बदला है। 8 से 11 जून के बीच भारतीय क्रू वाले जहाजों के साथ भी यही हुआ। अमेरिकी सेना के मुताबिक-8 जून को आइलैंड देश पलाऊ के झंडे वाला जहाज ईरान के बंदरगाह की तरफ बढ़ रहा था। उसे रोकने के लिए हमला किया गया। 'एमटी मैरिवेक्स' नाम के इस जहाज पर अमेरिका ने ईरानी तेल खरीदने के चलते दिसंबर 2025 से प्रतिबंध लगाया हुआ है। 10 जून को पलाऊ के झंडे वाले 'एमटी सेटेबेलो' ईरान का तेल ले जाने की कोशिश कर रहा था। इसे रोकने के लिए चेतावनी दी गई लेकिन जहाज नहीं रुका, जिसके बाद हमला किया गया। 11 जून को एमटी जलवीर नाकेबंदी तोड़कर ईरान का तेल ले जाने की कोशिश कर रहा था। इसे अपना रास्ता बदलने के लिए कहा गया था। ऐसा न करने पर अमेरिका ने हमला कर दिया। एक आशंका ये भी है कि ये तीनों जहाज शैडो फ्लीट का हिस्सा थे। शैडो फ्लीट, यानी ऐसे जहाज जिनकी रजिस्ट्री किसी और देश में हो, लेकिन कंट्रोल कोई और देश करे। इन दोनों जहाजों के ऑपरेशंस पर भी पलाऊ का कंट्रोल न के बराबर है। सवाल-3: तो क्या भारत ईरान से गुपचुप तरीके से तेल खरीद रहा है? जवाबः पहले ये समझिए कि गुपचुप तरीके से शैडो फ्लीट के जरिए समुद्र में तेल का ट्रांसपोर्ट होता कैसे है-प्रतिबंधों के चलते ईरान के बंदरगाहों से कई जहाज तेल लेकर निकलते हैं। ये समुद्र के बीच में कहीं एक से दूसरे जहाज में तेल के कंटेनर ट्रांसफर कर देते हैं, ताकि ये न पता चले कि असल में तेल कहां से आया है। कुछ टैंकर अपनी लोकेशन में हेरफेर कर देते हैं या फिर सिग्नल बंद कर देते हैं। इसके अलावा इराकी, ओमान या किसी और देश के फर्जी शिपिंग डाक्यूमेंट तैयार किए जाते हैं या फिर ईरानी तेल को किसी दूसरे देश के जहाज में अपन तेल मिलाकर शेल कंपनियों या फेक नाम वाले खरीदारों को भेज देते हैं। कनाडाई थिंक टैंक मैकडोनाल्ड लॉरियर इंस्टीट्यूट के मुताबिक, शैडो फ्लीट अपने सफर का ओरिजिन और डेस्टिनेशन दोनों छिपाते हैं। अक्सर उन देशों के झंडे इस्तेमाल करते हैं, जो इंटरनेशनल मैरीटाइम कानूनों की ज्यादा परवाह नहीं करते। मरीन ट्रैफिक डेटा के मुताबिक, 8 जून को जिस मैरिवेक्स जहाज पर हमला हुआ, वो अप्रैल में ईरान के बंदर अब्बास से कार्गो लेकर भारत आया था। जिस वक्त मैविरेक्स पर हमला हुआ, वो खाली था और ओमान की खाड़ी से होते हुए ईरान के बंदरगाह तक पहुंचना चाह रहा था। ओमान की खाड़ी तक पहुंचते ही उसने अपने सिग्नल बंद कर लिए थे। ये जहाज किसी भारतीय मालिक का नहीं था। वहीं सेटेबेलो टैंकर अप्रैल में चीन गया था। उसने चीन के लियांयुंगांग पोर्ट पर सामान उतारा और फिर 12 मई को सिंगापुर से रवाना हुआ था। ये भी ईरान से तेल लेने जा रहा था।हालांकि इन जहाजों पर भारतीय क्रू होने का मतलब ये नहीं है कि ये ईरान से तेल लेकर भारत आने वाले थे। इंडियन सीफेयरर्स के मुताबिक, भारतीय नाविक ग्लोबल मर्चेंट नेवी का हिस्सा है, जो दुनिया के किसी भी मालिक के जहाज पर काम करते हैं। जहाज में क्या सामान है और कहां जाएगा, इसका क्रू के भारतीय होने से कोई लेना-देना नहीं होता। फिलहाल भारत के ईरान से तेल खरीदने के कोई सबूत नहीं हैं- न आधिकारिक तौर पर और न ही गुपचुप तरीके से। सवाल-4: भारत ईरान से आधिकारिक तौर पर तेल क्यों नहीं खरीद रहा है? जवाबः भारत पिछले 7 सालों से ईरानी तेल नहीं खरीद रहा है। इसकी वजह अमेरिकी बैन है-2018 तक भारत ईरान से रोजाना करीब 6 लाख बैरल तेल खरीद रहा था। ये तब भारत के कुल ऑयल इंपोर्ट का करीब 9फीसदी था। 2018 में ट्रम्प ने ईरान पर सख्त व्यापारिक-आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए। हालांकि नवंबर 2018 में भारत सहित 8 देशों को 180 दिन के लिए ईरान से तेल खरीदने की छूट यानी वेवर मिला। इस दौरान भारत के यूको बैंक में ईरानी तेल कंपनियों के खाते खुलवाए गए। इंडियन ऑयल, बीपीसीएल जैसी भारतीय कंपनियां इन खातों में तेल के बदले रुपए में पेमेंट कर रही थीं, क्योंकि यही छूट की शर्त थी, कि ईरान को सीधे पैसा ट्रांसफर नहीं किया जाएगा। मई 2019 में वेवर का पीरियड खत्म होने के बाद अगले 7 साल तक भारत ने ईरानी तेल खरीद बंद कर दी। इसकी जगह सऊदी अरब, अमेरिका और रूस जैसे देशों से तेल आयात बढ़ाया गया। करीब 7 साल बाद 20 मार्च 2026 को अमेरिकी ट्रेजरी डिपार्टमेंट ने एक महीने यानी 19 अप्रैल तक के लिए ईरानी तेल खरीदने की छूट दी। हालांकि इसमें कहा गया कि जो तेल पहले से टैंकरों में लोड है, वही बेचा जा सकता है। 15 अप्रैल को ट्रेजरी डिपार्टमेंट के सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने कहा, 'हम रूसी और ईरानी तेल पर जनरल लाइसेंस नहीं बढ़ाएंगे।' यानी आगे तेल खरीद पर दोबारा पाबंदी लगा दी गई। रिसर्च फर्म केप्लर के शिप ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, इंडियन ऑयल और रिलायंस एनर्जी ने इस एक महीने में ईरान से करीब 40 लाख बैरल तेल खरीदा। इस दौरान ईरानी तेल कंपनी 'नेशनल ईरानी टैंकर कंपनी' यानी एनआईटीसी ने ईरानी झंडे वाला 'फेलिसिटी' जहाज 12 अप्रैल को भारत भेजा। इंडियन ऑयल ने भी इससे पहले कुराकाओ के झंडे वाले जहाज 'जया' से तेल मंगवाया। इन दोनों में करीब 20-20 लाख बैरल कच्चा तेल लाया जा सकता है। सवाल-5: भारतीय क्रू सदस्यों वाले जहाज पर अमेरिकी हमले, सरकार क्या कर रही? जवाबः भारत ने 10 जून को सेटेबेलो पर हुए हमले के विरोध में अमेरिका के चार्ज डी'अफेयर्स, यानी कार्यवाहक राजदूत जेसन मीक्स को तलब किया। विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव नागराज नायडू ने मीक्स को इस हमले को लेकर भारत की चिंताओं के बारे में बताया। इसके अलावा विदेश मंत्रालय ने अमेरिका का नाम लिए बिना एक बयान जारी किया। इसमें कहा गया, 'हम ओमान के तट पर कमर्शियल जहाज सेटेबेलो पर हुए हमले की निंदा करते हैं। इस इलाके में शिपिंग पर लगातार हमले की घटनाएं बेहद चिंताजनक हैं। कमर्शियल जहाजों और सिविलियन इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाना अब बंद होना चाहिए और जल्द से जल्द अंतर्राष्ट्रीय समुद्री रास्तों से बिना रुकावट के दोबारा व्यापार शुरू होना चाहिए।' विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को बताया कि बताया कि भारत ने अमेरिका को साफ मैसेज दिया है कि समुद्री कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए और जहाजों पर हो रहे हमले तुरंत बंद होने चाहिए। जियोपॉलिटिक्स के जानकार और सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च यानी सीआरपी में स्ट्रैटेजिक स्टडीज के प्रोफेसर ब्रह्म चेलानी कहते हैं कि ये भारतीयों के जीवन पर चुप्पी है। उन्होंने एक्स पर लिखा है, 'अगर किसी हवाई हमले में 3 अमेरिकी व्यापारी नाविक मारे जाते, तो अमेरिका में चौबीसों घंटे का राजनीतिक संकट खड़ा हो जाता। फिर भी, मंगलवार को होर्मुज के पास टैंकर पर अमेरिकी हवाई हमले में 3 भारतीय क्रू मेंबर्स की मौत पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई खास ध्यान नहीं दिया गया। पीएम मोदी ने इस हमले पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है, विदेश मंत्रालय ने औपचारिक राजनयिक विरोध दर्ज कराया है।'

अखिलेश की बेटी पर आपत्तिजनक पोस्ट, 4 पर एफआईआर

कानपुर। इधर, भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह ने आपत्तिजनक पोस्टों पर आपत्ति जताई है। कहा- सपा प्रमुख की

बेटी के बारे में सोशल मीडिया पर अपमानजनक बातें फैलाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। बेटियों का सम्मान राजनीति से ऊपर है। समाज को ऐसे गलत कामों के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए। मामले की जांच की जाए।वहीं, अदिति के दिल्ली कॉलेज के एक जूनियर आदर्श यादव ने फेसबुक पर एक पोस्ट लिखी है। उन्होंने कहा- इन मूर्खों को पता नहीं है कि बड़ी बहन अदिति यादव लंदन कॉलेज यूनिवर्सिटी में नहीं, बल्कि दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रही हैं। ऐसे लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए। राजभर बोले- बेटी, आप पर की गई टिप्पणी से हम शर्मिंदा-मंत्री राजभर ने लिखा- अदिति यादव मेरी भी बेटी है। लेकिन अखिलेश जी को क्या कहूं? पूरी तरह से ट्विटर, एसी और पीसी के नेता हैं। कोई गंभीरता नहीं। अदिति के खिलाफ लाल-हरी टोपी वालों में से जिसने भी आपत्तिजनक पोस्ट की है, वह शर्मनाक और गुनाह-ए-अजीम है। लेकिन यह समय स्वयं अखिलेश यादव जी समेत सपाइयों के लिए भी अपने गिरेबान में झांकने का है। उन्होंने कहा-सपाई हमेशा लोगों को गालियां देते और दिलवाते रहते हैं। किसी की जाति का, किसी के रंग का, किसी की श्रद्धा का, किसी के कपड़ों का, किसी के पेशे का मजाक उड़ाते रहते हैं। मैं स्वयं अखिलेश के गुंडों का भुक्तभोगी हूं। सोशल मीडिया पर अखिलेश मेरे और मेरे परिजनों के बारे में क्या-क्या लिखवाते रहते हैं। पूरा बहुजन समाज रोज देख रहा है।

मंत्री ने कहा-बेटी अदिति यादव के खिलाफ जो घटिया हरकत हुई है, गारंटी से कह सकता हूं कि उसमें भी कोई सपाई ही निकलेगा। इस तरह का घटिया प्रशिक्षण कोई लाल या हरी टोपी पहनने वाले मास्टर साहब की कक्षा में ही मिलता है। महिलाओं के लिए अखिलेश यादव, चचा शिवपाल और आजम खान साहब के बयान उठाकर देख लीजिए। उन्होंने कहा- वैसे बेटी अदिति के मामले में किसी विनोद कुमार यादव का भी नाम सामने आ रहा है। अदिति बेटी, आप पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी से हम शर्मिंदा हैं। बिटिया, आप से कैसे कहूं कि एक हाथ में चांदी का चम्मच और दूसरे हाथ में बल्लम लेकर पैदा हुए लोगों ने राजनीति को किस गर्त में पहुंचा दिया है, जो शर्मनाक है। अब दोनों एफआईआर के बारे में पढ़िए-कानपुर में अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय सचिव ने कराई एफआईआर, बोले- अखिलेश के परिवार की छवि धूमिल हुई कानपुर में अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय सचिव प्रवीण यादव ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद तीनों के खिलाफ महिला की छवि धूमिल करने, छवि खराब करने के इरादे से धोखाधड़ी और जालसाजी करने तथा आईटी एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई है। डीसीपी क्राइम श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। प्रवीण यादव ने एफआईआर में लिखा- सोशल मीडिया पर भरत कुमार पटेल नाम की आईडी से अखिलेश यादव की बेटी अदिति पर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई। भरत कुमार पटेल ने अपनी आईडी से लिखा कि अखिलेश यादव यहां राम मंदिर में 7 करोड़ की चोरी की बात कर रहे हैं, उधर उनकी बेटी, जो लंदन में पढ़ाई कर रही हैं, कुछ दिनों से लापता हैं। उसने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अदिति और एक अज्ञात व्यक्ति की फोटो एडिट करके लगाई है, जो पूरी तरह से फर्जी तरीके से तैयार की गई है। किसी सम्मानित परिवार की बेटी का चरित्रहनन करना और उसे सोशल मीडिया पर चलाकर बदनाम करना गंभीर अपराध है।

इस पोस्ट से समाज में अखिलेश यादव और उनके परिवार की छवि धूमिल हुई है। इससे समाज में काफी रोष है। इस पोस्ट पर नागेश्वर सिंह बघेल और विनोद कुमार यादव ने भी बहुत गंदे कमेंट किए हैं। तीनों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। प्रतापगढ़ में सपा के महासचिव ने शिकायत दर्ज कराई, कहा- सख्त कार्रवाई हो प्रतापगढ़ में सपा के महासचिव अब्दुल कादिर जिलानी ने एफआईआर में लिखा है कि फेसबुक पर 'शीतला सुजान कवि पत्रकार' नाम की एक फर्जी आईडी से अखिलेश यादव की बेटी अदिति यादव के बारे में गलत और आपत्तिजनक बातें फैलाई जा रही हैं। इन पोस्टों में निजी आरोप लगाए गए हैं, जिससे एक महिला की गरिमा, सम्मान और छवि को नुकसान पहुंच सकता है। इससे समाज में भ्रम फैल सकता है और सामाजिक सौहार्द भी बिगड़ सकता है। इसलिए एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाए। अदिति के जूनियर ने लिखा- खबरें पूरी तरह असत्य हैं अदिति के दिल्ली कॉलेज के एक जूनियर आदर्श यादव ने फेसबुक पर एक पोस्ट लिखी है। आदर्श ने लिखा हैं कि आरएसएस का उपजाया ब्राह्मण-बनिया अपग्रेडेड मनुवादी हैं। राम मंदिर में हुई चोरी को छिपाने के लिए ये इतनी नीच हरकत कर सकते हैं, इसका कोई अंदाजा नहीं है। ये मूर्ख बड़ी बहन अदिति यादव के संबंध में घटिया टिप्पणियां कर रहे हैं, जिनका आधार लंदन कॉलेज यूनिवर्सिटी में टीका है। लेकिन इन मूर्खों को पता नहीं है कि पिछले एक साल से अदिति दिल्ली विश्वविद्यालय के लॉ फैकल्टी से लॉ ग्रेजुएशन की पढ़ाई कर रही हैं। इन दिनों सेमेस्टर परीक्षाएं चल रही हैं और जैसा कि मैं भी लॉ फैकल्टी में उनका बैचमेट हूं, हर परीक्षा के बाद मुलाकात होती है। अदिति अपने दादा मुलायम सिंह और पिता अखिलेश यादव से विरासत में मिले संस्कार और नैतिकता को पूरी तरह आत्मसात करती हैं। सभी बच्चों से मिलना और उन्हें सम्मान देना उनकी रोज की आदत है। उनके गायब होने की फर्जी खबरें पूरी तरह असत्य हैं। मैं प्रतिदिन का प्रत्यक्षदर्शी हूं। अदिति यादव पर आपत्तिजनक पोस्ट पर किसने क्या कहा, पढ़िए- लखनऊ की सरोजनीनगर सीट से भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह ने कहा- लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेद होना सामान्य है, लेकिन किसी के परिवार, खासकर बेटियों को झूठे आरोपों और अपमान का निशाना बनाना समाज और सार्वजनिक मर्यादा के खिलाफ है। प्रशासन और साइबर सेल से मांग है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच हो और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

मऊ में घोसी सीट से सपा सांसद राजीव राय ने कहा था- यह राजनीति का सबसे घटिया स्तर और मानसिक विक्षिप्तता की पराकाष्ठा है। अखिलेश यादव की बेटी के बारे में सोशल मीडिया पर भद्दे और गंदे पोस्ट किए जा रहे हैं। यूपी पुलिस ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। क्योंकि वह किसी भाजपा नेता की बेटी नहीं है? शर्म करो। पूर्व मंत्री और अयोध्या के सपा नेता पवन पांडेय ने कहा- जब अखिलेश यादव ने राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी को लेकर सवाल उठाए, तो भाजपा के नेताओं ने आरोपों का तथ्यात्मक जवाब देने के बजाय व्यक्तिगत हमलों का रास्ता अपना लिया। अखिलेश के परिवार को निशाना बनाना घटिया राजनीति है। यह केवल एक राजनीतिक परिवार पर हमला नहीं, बल्कि प्रदेश की हर बेटी, हर बहन और हर मां के सम्मान पर चोट है।

सीतापुर से सपा सांसद आनंद भदौरिया ने कहा- चरित्र पर कीचड़ उछालना कायरों की शान है, बेटियों का सम्मान करना भारत की पहचान है। जो मनगढ़ंत कहानियों से बेटी को बदनाम करना चाहते हैं, क्या वे जनता के गुस्से का परिणाम भी जानते हैं? सपा विधायक रागिनी सोनकर ने कहा- बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ भाजपा सरकार का बस एक खोखला नारा है।

जिस तरह भाजपा का ट्रोल इकोसिस्टम अखिलेशजी के परिवार पर अशोभनीय और बेहद घटिया टिप्पणी कर रहा है. उसे पूरा देश देख रहा है। मगर ऐसी टिप्पणी करने वाले लोगों पर न ही कोई कार्रवाई हो रही है और ना ही ऐसी भ्रामक और अशोभनीय बातों को रोका जा रहा है।

आम ग्राहक एक दिन में अधिकतम 200 लीटर ही डीजल खरीद पाएंगे

नयी दिल्ली। इसके तहत अब कोई भी फैक्ट्री, कॉमर्शियल संस्थान या बड़ी संस्थाएं आम गाड़ियों वाले पेट्रोल पंप से डीजल-पेट्रोल नहीं खरीद सकेंगी। उन्हें अपने खुद के

कंज्यूमर पंप या तय बल्क सप्लाई चैनलों से ही तेल लेना होगा। : नए आदेश के मुताबिक, रिटेल पंपों पर डीजल की बिक्री अब केवल गाड़ियों के फ्यूल टैंक या फिर पेट्रोलियम एंड एक्सप्लोसिव्स सेफ्टी ऑर्गेनाइजेशन (पेसो) के अप्रूव्ड कंटेनरों में ही की जा सकेगी। इसके अलावा, कोई भी ग्राहक या गाड़ी एक दिन में अधिकतम 200 लीटर ही डीजल खरीद पाएगा। इस डीजल को दोबारा बेचने पर पूरी तरह रोक रहेगी। मंत्रालय के मुताबिक, देश के कुछ हिस्सों में रिटेल पेट्रोल पंपों पर अचानक पेट्रोल और डीजल की बिक्री बहुत ज्यादा बढ़ गई थी। जांच में सामने आया कि रिटेल और बल्क कीमतों में बड़ा अंतर होने के कारण फैक्ट्रियों और कॉमर्शियल यूजर्स ने थोक में तेल मंगाना बंद कर दिया और वे सीधे आम पेट्रोल पंपों से गाड़ियां भेजकर तेल खरीदने लगे। इससे आम जनता के लिए तेल की किल्लत का खतरा पैदा हो रहा था। दिल्ली के उदाहरण से समझें तो रिटेल पंपों पर डीजल की कीमत रु95.20 प्रति लीटर है, जबकि बल्क में डीजल खरीदने वाले उद्योगों को यही डीजल रु134.50 प्रति लीटर में मिल रहा है। यानी दोनों कीमतों में करीब रु39.30 प्रति लीटर का सीधा अंतर आ गया था। इसी भारी अंतर के कारण बड़े खरीदार रिटेल पंपों की तरफ शिफ्ट हो रहे थे। इस साल फरवरी के आखिरी हफ्ते में पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक संकट शुरू हुआ था। इसके कारण इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की सप्लाई चेन और शिपिंग लॉजिस्टिक्स पर बुरा असर पड़ा। सरकारी तेल कंपनियों ने आम जनता को महंगाई से बचाने के लिए रिटेल पंपों पर कीमतें ज्यादा नहीं बढ़ाईं, लेकिन टेलीकॉम टावर, बड़ी फैक्ट्रियों और ट्रांसपोर्ट फ्लीट्स जैसे थोक खरीदारों के लिए कीमतें मार्केट-लिंक्ड (अंतरराष्ट्रीय बाजार के अनुसार) रखीं, जिससे थोक भाव काफी बढ़ गए। थोक खरीदारों में बड़े ट्रांसपोर्ट फ्लीट्स (जैसे बड़ी बस या ट्रक कंपनियां), टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर ऑपरेटर्स (मोबाइल टावर चलाने वाली कंपनियां), बड़ी इंडस्ट्रीज, कंस्ट्रक्शन फर्में और वे सभी बड़े संस्थान आते हैं जो पावर जनरेशन (बिजली बनाने) या कैप्टिव जनरेटर चलाने के लिए भारी मात्रा में डीजल का इस्तेमाल करते हैं। यह पाबंदी 11 जून से शुरू होकर शुरुआती 90 दिनों तक लागू रहेगी। सरकार जरूरत पड़ने पर नया आदेश जारी कर इसे आगे भी बढ़ा सकती है। हालांकि, सरकार ने अपने पास यह अधिकार सुरक्षित रखा है कि वह किसी विशेष आदेश के जरिए किसी खास उपभोक्ता, एरिया या ट्रांजैक्शन को इन नियमों से छूट दे सकती है। सरकार ने साफ किया है कि इन नियमों का उल्लंघन करने पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासनों को निर्देश दिया गया है कि वे जमाखोरी, कालाबाजारी, अवैध खरीद और तेल के डायवर्जन (गलत इस्तेमाल) के खिलाफ सख्त कदम उठाएं। इस आदेश को जमीन पर लागू करने का जिम्मा पब्लिक सेक्टर की ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (आईओसी, एचपीसीएल, बीपीसीएल) और अन्य अधिकृत फ्यूल रिटेलर्स को सौंपा गया है। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके पंपों से किसी भी कॉमर्शियल या इंडस्ट्रियल यूजर को थोक में सप्लाई न दी जाए। सरकार ने स्पष्ट किया है कि देश में पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की उपलब्धता को लेकर चिंता की कोई बात नहीं है। ऑयल इंडस्ट्री राज्य सरकारों और लोकल अथॉरिटीज के साथ मिलकर लगातार काम कर रही है ताकि नागरिकों, उद्योगों और किसानों को ईंधन की सप्लाई बिना किसी रुकावट के मिलती रहे। सरकार ने जनता से पैनिक बाइंग न करने की अपील की है।

कहानी नोरा की- जीवन में आगे निकलने की जद्दोज़हद, परेशानी, ठगी और न जाने क्या..

काम दिलाने की आड़ में ठगे गए 20 लाख रुपए,नोरा फतेही बोलीं- मेरा मजाक उड़ाया गया

मुंबई। मुंबई की चमक-दमक के पीछे ठगी, ताने और संघर्ष की लंबी कहानी भी छुपी है। नोरा फतेही की जिंदगी भी ऐसी ही रही, जहां काम दिलाने का वादा कर 20 लाख रुपए ठग लिए गए और कई बार

उन्हें बिना फीस के गाने करने पड़े। 'मेरा मजाक उड़ाया गया, दिलबर जैसे कई गाने फ्री में करने पड़े'- यह दौर उनकी पहचान बनने से पहले के संघर्ष को दिखाता है। कनाडा से मुंबई आई नोरा ने वेटर से लेकर ऑडिशन तक हर रास्ता अपनाया, लेकिन हार नहीं मानी। यही संघर्ष आगे चलकर उनकी स्टारडम की सबसे बड़ी ताकत बना। नोरा फतेही जन्मः 6 फरवरी 1992, कनाडा मां-पिता मोरक्को के रहने वाले छोटा भाई ओमर फतेही, पढ़ाईः टोरंटो के वेस्टव्यू सेंटेनियल सेकेंडरी स्कूल से ग्रेजुएशन मुस्लिम परिवार से ताल्लुक रखती हैं। छिपकर डांस करती थीं नोरा, नहीं ली ट्रेनिंग; मां ने डांटा और पिटाई भी की- नोरा का जन्म एक रूढ़िवादी मुस्लिम परिवार में हुआ। घर में डांस को लेकर कड़ा विरोध था, लेकिन उनके अंदर बचपन से ही डांस का जुनून था। उन्होंने कभी प्रोफेशनल डांस ट्रेनिंग नहीं ली। वे अलग-अलग डांस स्टाइल्स वीडियो देखकर और लगातार प्रैक्टिस से सीखती रहीं। नोरा बचपन में घर के अंदर बंद कमरे में छिपकर डांस करती थीं। उन्हें डर रहता था कि परिवार को पता चल गया तो डांट पड़ेगी। एक बार उनकी मां ने उन्हें डांस करते देख लिया, जिसके बाद उन्हें डांट और सख्त प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा। यहां तक की मां ने पिटाई भी की। विरोध के बावजूद नोरा ने डांस करना नहीं छोड़ा और अपने सपनों के लिए लगातार मेहनत करती रहीं। परिवार के विरोध और मुश्किल माहौल के बीच उन्होंने पढ़ाई पूरी की और इसके बाद भारत आने का फैसला किया। उनका सपना एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में नाम बनाने और खुद को डांसर व परफॉर्मर के रूप में स्थापित करने का था। 5,000 रुपए लेकर मुंबई आई थीं- नोरा फतेही 2014 में बॉलीवुड में करियर शुरू करने के लिए केवल रु5,000 लेकर मुंबई पहुंची थीं। नोरा कहती हैं- मुझे यह भी नहीं पता था कि 1000 डॉलर क्या होते हैं। मैं एक अपार्टमेंट में नौ लड़कियों के साथ रहती थी। वहां अक्सर सोचती थी कि मैं किस मुसीबत में फंस गई हूं। हिंदी न आने पर उड़ाया जाता था मजाक- नोरा ने बताया कि भारत आने के बाद सबसे बड़ी चुनौती भाषा थी। हिंदी न जानने की वजह से ऑडिशन में उन्हें बार-बार रिजेक्ट किया जाता था। कई बार लोग उनके उच्चारण और एक्सेंट का मजाक उड़ाते थे। हालांकि उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करती रहीं। लगा था मुंबई पहुंचते ही स्टार बन जाएंगी- नोरा कहती हैं- फिल्म इंडस्ट्री में आने से पहले मैंने कोई तैयारी नहीं की थी। मुझे लगा था कि मुंबई पहुंचते ही स्टार बन जाऊंगी। मैंने कपड़े पैक किए और मुंबई आ गई। यहां आने के बाद पता चला कि बहुत कुछ सीखना है। मुझे हिंदी नहीं आती थी। हिंदी मेरे लिए विदेशी भाषा थी। सबसे पहले हिंदी सीखी और खुद को परफॉर्मर के तौर पर तैयार किया। कैटरीना कैफ और जैकलीन फर्नांडिस से मिली प्रेरणा-नोरा कहती हैं- मैंने बॉलीवुड में कभी काम करने के बारे में नहीं सोचा था। इंडस्ट्री में आने से पहले मैंने 'देवदास' और 'कुछ कुछ होता है' जैसी फिल्में देखी थीं। मुझे लगता था कि सिर्फ इंडियन लड़कियां ही बॉलीवुड में एक्ट्रेस बन सकती हैं। बॉलीवुड में काम करने की प्रेरणा मुझे कैटरीना कैफ और जैकलीन फर्नांडिस से मिली। फिर मैंने बहुत ऑडिशन देने शुरू किए। गुजारे के लिए किया वेटर का काम, बेचे लॉटरी टिकट- स्ट्रगल के दिनों में आर्थिक स्थिति इतनी खराब थी कि उन्हें गुजारे के लिए छोटे-मोटे काम करने पड़े। नोरा ने कॉफी शॉप में वेटर का काम किया और लॉटरी टिकट भी बेचे। मॉडलिंग और छोटे प्रोजेक्ट्स मिलने लगे थे, लेकिन कई बार काम के बाद भी भुगतान नहीं मिलता था। कई दिन सिर्फ ब्रेड और अंडे खाकर बिताए-नोरा के लिए सबसे मुश्किल समय वह था जब पैसों की कमी

के कारण उन्हें खाने तक के लिए संघर्ष करना पड़ता था। उन्होंने बताया कि कई बार दिनभर सिर्फ ब्रेड और अंडे खाकर गुजारा करना पड़ा। इसके बावजूद उन्होंने मुंबई छोड़ने का विचार नहीं किया और अपने सपनों के लिए डटी रहीं। हफ्ते के 3 हजार रुपए में चलाना पड़ता

था खर्च-अपने स्ट्रगल के दिनों को याद करते हुए नोरा फतेही कहती हैं कि उस समय जिस एजेंसी के साथ काम कर रही थी, वह उन्हें हफ्ते के सिर्फ 3 हजार रुपए देती थी। इतने कम पैसों में रोज का खर्च चलाना बहुत मुश्किल होता था। काम दिलाने का वादा कर 20 लाख रुपए ठग लिए-बॉलीवुड में पहचान बनाने से पहले मेरे साथ ठगी हुई। मैंने बताया था कि जब मैं कनाडा से भारत आई थी, तब मेरी पहली एजेंसी ने मुझे काम दिलाने का वादा किया। उनके कहने पर मैंने 20 लाख रुपए दे दिए। ये वही पैसे थे, जो मैंने एक विज्ञापन में काम करके कमाए थे। 'बिग बॉस 9' से मिली पहचान- साल 2015 में नोरा को टीवी के चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस 9' में हिस्सा लेने का मौका मिला। शो में उनका सफर लंबा नहीं रहा, लेकिन इससे उन्हें दर्शकों के बीच पहचान मिलने लगी। इसके बाद उन्होंने कई डांस परफॉर्मेंस और फिल्मों में छोटे-बड़े मौके हासिल किए। नोरा फतेही ने 2014 में फिल्म 'रोरः टाइगर्स ऑफ द सुंदरबन्स' से बॉलीवुड डेब्यू किया। इसके बाद उन्हें साउथ इंडस्ट्री से भी कई फिल्मों के ऑफर मिले। नोरा 2015 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म 'बाहुबली' के गाने 'मनोहरी' में नजर आई थीं। 'दिलबर' ने बदल दी जिंदगी-नोरा के करियर का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट 2018 में आया, जब फिल्म 'सत्यमेव जयते' का गाना 'दिलबर' रिलीज हुआ। यह गाना जबरदस्त हिट साबित हुआ और नोरा रातोंरात देशभर में चर्चा में आ गईं।

उनके डांस स्टाइल, स्क्रीन प्रेजेंस और एक्सप्रेशंस ने दर्शकों का दिल जीत लिया। बिना पेमेंट के काम करने पड़े-हालांकि, करियर की शुरुआत में उन्हें फिल्मों में पैसे नहीं मिलते थे। नोरा कहती हैं- 'दिलबर' के अलावा भी मैंने कई गाने फ्री में किए हैं। उस समय पैसे कमाना मेरा उद्देश्य नहीं था। मैं फिल्म इंडस्ट्री में खुद को प्रूव करना चाहती थी, इसलिए पैसे की डिमांड नहीं की। इंडस्ट्री में लोगों के पास बहुत ऑप्शन हैं। मैं नहीं तो कोई और करेगा। मेरे लिए सबसे बड़ी बात मौका मिलना था। एक के बाद एक दिए सुपरहिट डांस नंबर- 'दिलबर' की सफलता के बाद नोरा ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने 'कमरिया', 'ओ साकी साकी' और 'गर्मी' जैसे कई सुपरहिट गानों में अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराई। देखते ही देखते वह बॉलीवुड की लोकप्रिय डांस परफॉर्मर्स में शामिल हो गईं। गाने पर हुआ विवाद, मांगनी पड़ी थी माफी-नोरा फतेही हाल ही में फिल्म 'केडीः द डेविल' के गाने 'सरके चुनर तेरी सरके' को लेकर विवादों में घिर गई थीं। गाने के रिलीज होने के बाद सोशल मीडिया पर इसके बोल और प्रस्तुति पर आपत्ति जताई गई। कई लोगों ने आरोप लगाया कि गाने में महिलाओं को गलत तरीके से दिखाया गया है। मामला बढ़ने के बाद यह राष्ट्रीय महिला आयोग तक पहुंच गया। विवाद के बाद आयोग ने नोरा समेत गाने से जुड़े अन्य लोगों को पेश होने के लिए कहा। सुनवाई के दौरान नोरा आयोग के सामने पहुंचीं और लिखित रूप से माफी मांगी। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था और एक कलाकार के तौर पर वे अपनी सामाजिक जिम्मेदारी समझती हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, नोरा ने आयोग को बताया कि उन्होंने गाने की शूटिंग एक अलग क्रिएटिव विजन के तहत की थी और रिलीज के समय हुए कुछ बदलावों की उन्हें पूरी जानकारी नहीं थी। उन्होंने यह भी कहा कि विवाद के बाद उन्हें मामले की गंभीरता समझ आई।

सुनवाई के दौरान उन्होंने सामाजिक पहल से जुड़ने की बात कही। रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने अनाथ लड़कियों की शिक्षा और सहयोग से जुड़े प्रयासों में योगदान देने की इच्छा जताई।

छोटे-छोटे रोल्स करके यहां तक पहुंची हूं-नोरा फतेही कहती हैं- छोटे-छोटे रोल्स करके यहां तक पहुंची हूं। मैं लोगों से कहती थी कि मेरे बारे में भी सोचें। यह कहने से पहले कई बार सोचती थी कि कैसे कहूं। 'दिलबर' के बाद लोगों को लगता था कि मैं सिर्फ गाने कर सकती हूं, लेकिन मुझे एक्टिंग करनी थी।

मुझे लगने लगा था कि गानों में टाइपकास्ट हो रही हूं। मैंने ऑडिशन देने शुरू किए। कुणाल खेमू ने मुझे 'मडगांव एक्सप्रेस' में मौका दिया।

नोरा फतेही की फिल्में और टीवी शोः- 2015- बाहुबली सॉन्ग-मनोहरी, 2016- रॉकी हैंडसम सॉन्ग- रॉक द पार्टी, 2018- सत्यमेव जयते सॉन्ग- दिलबर स्त्री-सॉन्ग- कमरिया, 2019- बाटला हाउस सॉन्ग- ओ साकी साकी मरजावां सॉन्ग- एक तो कम जिंदगानी, 2020 स्ट्रीट डांसर 3डी बतौर एक्ट्रेस, 2021 भुजः द प्राइड ऑफ इंडिया सत्यमेव जयते 2- सॉन्ग- कुसु कुसु 2022- थैंक गॉड- मानिके, 2024- क्रैक बतौर एक्ट्रेस मडगांव एक्सप्रेस बतौर एक्ट्रेस। टेलीविजन शोः-2015- बिग बॉस 9 बतौर कंटेस्टेंट, 2016- झलक दिखला जा 9 कंटेस्टेंट, 2018- एमटीवी डेटिंग इन द डार्क बतौर होस्ट, 2022 - डांस दीवाने जूनियर 1 बतौर जज झलक दिखला जा 10 बतौर जज, 2023 बिप हॉप इंडिया 1 बतौर जज, 6 मार्च 2021 को, फतेही पहली अफ्रीकी-अरब महिला कलाकार बनीं, जिनके गाने दिलबर ने यूट्यूब पर एक बिलियन व्यूज क्रॉस किए।

फिल्म 'काला हिरण' का फर्स्ट लुक रिलीज,नाम बदलकर सलमान खान और लॉरेंस का जिक्र किया गया

मुंबई। सलमान खान के चर्चित काला हिरण मामले से प्रेरित फिल्म 'काला हिरणः द

बैटल फॉर लेगेसी' का फर्स्ट लुक जारी कर दिया गया है। फिल्म का पहला वीडियो शुक्रवार को रिलीज हुआ। जिसमें सलमान खान का जिक्र अयान खान और लॉरेंस का जिक्र लॉयन के नाम से किया गया है। वीडियो में काला हिरण शिकार केस और कानूनी लड़ाई से जुड़े मामले को दिखाया गया है। फिल्म का निर्देशन भारत एस. श्रीनाथ ने किया है। जबकि अमित जानी इसके लेखक और निर्माता हैं। फिल्म का टीजर 20 जून को रिलीज किया जाएगा। 'काला हिरण' को लेकर सलमान ने लीगल नोटिस भेजा-'काला हिरण' को लेकर सलमान की ओर से लीगल नोटिस भेजा गया था। न्यूज18 की रिपोर्ट में बताया गया था कि सलमान की ओर से लॉ फर्म डीएसके लीगल ने कास्टिंग डायरेक्टर अक्षय पांडे को एक लीगल नोटिस भेजा है। इस नोटिस में 'काला हिरण' नाम की प्रस्तावित फिल्म के प्रोडक्शन और प्रमोशन को तुरंत रोकने की मांग की गई। सलमान की ओर से मिले लीगल नोटिस को फाड़ा-फिल्म के प्रोड्यूसर अमित जानी ने सलमान खान की ओर से मिले लीगल नोटिस को फाड़ दिया था। जानी ने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किए वीडियो में कहा था-'हर कोई मुझसे पूछ रहा है, मीडिया, दोस्त, कि सलमान खान के नोटिस पर आपको क्या कहना है? इस नोटिस पर मैं क्या कहूं? पिछले 36 घंटों से उनकी डोंगरी, धारावी, जोगेश्वरी के मुस्लिम लड़कों की फैन फॉलोइंग, उनके टूलकिट ने मुझे जान से मारने, मुंबई आने और सिर कलम करने के हजारों मैसेज भेजे हैं और उनके टूलकिट के जरिए एक मैसेज, चाहे वह असली हो या नकली, मुझे नहीं पता, डी-कंपनी के नाम से भेजा गया है। डी-कंपनी छोड़ेगी नहीं।

' जानी ने आगे कहा कि तो मैं किसका जवाब दूं? क्या मैं सलमान खान की टूलकिट द्वारा हजारों गालियां दिलवाई गईं और धमकियां दिलवाई गईं, उनका जवाब दूं? क्या मैं इस नोटिस का जवाब दूं? वहीं, इससे पहले ऑफिशियल फेसबुक अकाउंट में पोस्ट किए वीडियो में अमित जानी ने कहा था कि हमारी पूरी फिल्म सलमान खान की बायोपिक नहीं है। हमारी पूरी फिल्म सलमान खान के नजरिए से नहीं है। वहीं इन्यूज के साथ बातचीत में जानी ने कहा था कि 'काला हिरण' बिश्नोई समाज के संघर्ष, उनकी विरासत और वन्यजीवों के प्रति उनके समर्पण को दिखाती है। सलमान खान फिल्म का सिर्फ एक पार्ट हैं। 1998 में काला हिरण शिकार मामला सामने आया-सलमान खान से जुड़ा काला हिरण शिकार मामला साल 1998 में सामने आया था, जब वो जोधपुर में फिल्म 'हम साथ-साथ हैं' की शूटिंग कर रहे थे। सलमान के खिलाफ कुल चार केस दर्ज किए गए थे। इनमें दो चिंकारा शिकार मामले, एक कांकाणी काला हिरण शिकार मामला और एक आर्म्स एक्ट का मामला शामिल था। काला हिरण शिकार मामले में बिश्नोई समुदाय की शिकायत पर सलमान के साथ सैफ अली खान, तब्बू, सोनाली बेंद्रे और नीलम के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया था।

अप्रैल 2006 में चिंकारा शिकार मामलों में सलमान को सजा सुनाई गई। जनवरी 2017 में उन्हें आर्म्स एक्ट मामले में बरी कर दिया गया। वहीं, 5 अप्रैल 2018 को काला हिरण शिकार मामले में उन्हें 5 साल की जेल और 10 हजार रुपए जुर्माने की सजा मिली।

इसी मामले में बाकी कलाकारों को बरी कर दिया गया था। बाद में सलमान को जमानत मिल गई। फिलहाल यह मामला राजस्थान हाई कोर्ट में लंबित है। अगली सुनवाई 13 जुलाई 2026 के लिए तय की है। सलमान खान फिलहाल जमानत पर बाहर हैं।

नेशनल कंज्यूमर फोरम से भी सलमान खान को राहत,कोटा कंज्यूमर फोरम में चल रही कार्रवाई पर स्टे

कोटा। राजश्री पान मसाला के भ्रामक विज्ञापन के मामले में

सलमान खान को नेशनल कंज्यूमर फोरम (एनसीडीसी) से भी राहत मिली है। फिलहाल सलमान खान को एफएसएल जांच के लिए कोटा नहीं आना पड़ेगा। नेशनल कंज्यूमर फोरम ने सलमान खान के खिलाफ कोटा कंज्यूमर फोरम में चल रही कार्रवाई पर स्टे दे दिया है। मामले की अगली सुनवाई 22 जून को होगी। इसी मामले में हाईकोर्ट ने 27 मई को स्टे जारी किया था। जिसकी अगली सुनवाई 14 जुलाई को होनी है। सलमान खान को पेश होने का था आदेश-पान मसाला कंपनी की ओर से वकील राकेश सुवालका ने बताया कि सलमान खान की ओर से कोटा कंज्यूमर फोरम में पेश वकालतनामा और जवाब पर सलमान खान के हस्ताक्षर को लेकर याचिकाकर्ता भाजपा नेता और एडवोकेट इंद्रमोहन सिंह हनी ने आपत्ति जताई थी। इस पर जिला उपभोक्ता अदालत ने 26 दिसंबर 2025 को एक आदेश पारित किया था, जिसमें सलमान खान के हस्ताक्षरों की जांच एफएसएल से कराने और उन्हें खुद उपस्थित होकर अपना हस्ताक्षरित शपथ पत्र पेश करने का निर्देश दिया गया था। सलमान खान के कोर्ट में पेश नहीं होने पर याचिकाकर्ता ने कोर्ट की अवमानना का प्रार्थना-पत्र पेश किया था। इसी कार्रवाई के विरोध में सलमान खान की ओर से राजस्थान हाईकोर्ट और नेशनल कंज्यूमर फोरम प्रार्थना-पत्र पेश किया था।

26 दिसंबर 2025 को कोटा कंज्यूमर कोर्ट के ऑर्डर पर रोक लगाने की मांग की। मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने 27 मई को स्टे जारी किया था। सलमान खान के वकील की ओर से हाईकोर्ट के ऑर्डर की कॉपी कोटा कंज्यूमर फोरम में पेश की थी। वहीं अब नेशनल कंज्यूमर फोरम ने मामले में सुनवाई करते हुए 10 जून को स्टे जारी कर दिया है। नेशनल कंज्यूमर फोरम के ऑर्डर की कॉपी 11 जून को कोटा कंज्यूमर फोरम में पेश की। सलमान खान के वकील की ओर से नेशनल कंज्यूमर फोरम में परिवादी इंद्र मोहन सिंह हनी द्वारा जून 25 में विमल पान मसाला के खिलाफ परिवाद विड्रो करने का प्रार्थना पत्र भी पेश किया। कोटा कंज्यूमर फोरम में इस मामले में अगली सुनवाई 14 जुलाई को होगी।

फैमिली-डिस्प्यूट के बीच सपना चौधरी ने पति पर जताया प्यार,वीडियो बनाकर लिखा- मन्ने तेरे पै मर लेन दें 2 दिन पहले कोर्ट से सिक्योरिटी मांगी

सोनीपत। मशहूर हरियाणवी डांसर-सिंगर सपना चौधरी और उसके पति वीर साहू के बीच चल रहा विवाद पिछले तीन दिनों से खूब चर्चा में है। पहले सपना ने दिल्ली की द्वारिका महिला कोर्ट में पति के खिलाफ घरेलू हिंसा की शिकायत की। ऑडियो ओर वीडियो सुबूत भी सौंपे, जिसके आधार पर कोर्ट ने वीर साहू को उनसे दूर रहने की सख्त हिदायत दी। कोर्ट के आदेश के एक घंटे के बाद ही दोनों के बीच चल रहा यह मतभेद सोशल मीडिया पर सामने आ गया। सपना ने लिखा-यू जस्ट बिकम बहरा एंड मेंटेन ऑन योर चेहरा यानि आप बस अनसुना कर दें और चेहरे पर कोई भाव न आने दें। वहीं, वीर साहू ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा-अच्छो सूरत को संवरने की जरूरत क्या है? इन पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर दोनों के बीच तलाक होने की चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया। गुरुवार तक सपना और वीर के रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया पर रील्स की बाढ़ आई गई। कोई सपना तो कोई वीर को गलत ठहराता दिखा। इसी बीच इस हरियाणवी स्टार कपल ने अलग-अलग अपने सोशल मीडिया अकाउंट से दो पोस्ट शेयर की, जिसमें दोनों एकदूसरे

के प्रति प्रेम भाव व्यक्त करते दिखाई दिए। इन पोस्ट के सामने आते ही दोनों के रिश्तों को लेकर नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं।सपना ने 'मन्ने थोड़ी-थोड़ी तेरे पै मर लेन दें ना' गीत पर रील बनाई-गुरुवार को सपना चौधरी और वीर साहू ने गौशाला से जुड़े अलग-अलग वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए। सपना चौधरी ने गौशाला की वीडियो पर अपने एक साल पहले रिलीज हुए गीत 'आंख्या में' के लिरिक्स पर रील बनाई। इस रील में गीत के बोल हैंछ मन्ने थोड़ी-थोड़ी तेरे पै मर लेन दें ना, आंख्या में मन्ने पिया बस लेण दें ने'। इस रील के सामने आते ही सपना के फैन चौक पड़ें। एक यूजर ने लिखा- कल तक जो सपना चौधरी अपने पति पर मारपीट करने के डर से प्रोटेक्शन लेती दिखाई दे रही थी, वहीं आज सोशल मीडिया पर वीर साहू के प्रति भावनाएं व्यक्त करती नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर दिख रहा यह प्यार रियल लाइफ की परिस्थितियों से बिल्कुल अलग दिखाई देता है। वीर साहू की रील में आस्था के साथ छलका दर्द-वहीं वीर साहू ने भी सोशल मीडिया पर गौशाला में गोवंश की सेवा करते हुए शायरी पर रील बनाई। रील में वह कहते हैं- 'हे जगत माता, हे जगत जननी गौ माता... तुम माता हो, तुम्हें सब कुछ पता है.. मेरे दर्द का पता है.. मैं क्यों तुम्हारे सामने रोऊं।। मैं क्यों मांगूं। क्यों गिड़गिड़ाऊं कि मुझे क्या चाहिए।। जो तुम्हें लगता है मेरे लिए ठीक है, वह दीजिए।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।